सांध्य दैनिक
# 4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 12 ● अंक 198 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार 25 अगस्त, 2026
मूल्य ₹ 3/-

ओछे मनुष्य का साथ छोड़ देना चाहिए। हर अवस्था में उससे हानि होती है, जैसे अंगार जब तक गर्म रहता है तब तक शरीर को जलाता है और जब ठंडा कोयला हो जाता है तब भी शरीर को काला ही करता है।

-रहीम दास

पंत डल्यूटीसी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले... 7
नीट से पेलेट गन तक बढ़ा सियासी... 3
जाति जनगणना का मुद्दे पर... 2

# वादा खिलाफ सरकार पर फिर होगा करारा प्रहार

## 5 सितम्बर को लौट रहा है सीजेपी का आंदोलन

» वादे किये थे या फिर सिर्फ आंदोलन को खत्म कराने का इंतजाम?

» सरकार जी, जो वादा किया है उसे निभाना पड़ेगा

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली एक बार फिर तैयार हो रही है एक और आंदोलन के लिए क्योंकि इंडिया गेट से नई दिल्ली पुलिस मुख्यालय की तरफ बढ़ते कदमों की आहट अभी से सुनाई देने लगी है। फर्क सिर्फ इतना है कि इस बार सड़क पर उतरने वाले लोग पहली बार अपनी ताकत आजमाने नहीं आ रहे है।

यह वही आंदोलनकारी हैं जिनके पिछले आंदोलन के बाद सरकार के एक मंत्री को अपनी कुर्सी छोड़नी पड़ी थी। यह वही सीजेपी है जिसने नीट पेपर लीक के खिलाफ जंतर मंतर को आंदोलन का मैदान बनाया था और युवाओं के गुस्से को राष्ट्रीय बहस में बदला और सरकार पर ऐसा दबाव बनाया कि तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को अपना इस्तीफा देना पड़ा। आंदोलन खत्म होने के बाद जो सवाल बचे थे वह एक बार फिर सरकार के दरवाजे पर दस्तक दे रहे है कि सरकार की ओर से सीजेपी की जो अन्य मांगे थी और सरकार ने उन्हें पूरा करने का विश्वास दिलाया था उन वायदों का क्या हुआ?

### मोदी सरकार में पहली बार इस्तीफा हुआ इसलिए दूसरी चेतावनी को हल्के में लेना जोखिम होगा

दिल्ली में हुए सीजेपी के आदोंलन का दबाव अभी भी दिल्ली की सड़कों पर साफ दिखायी दे रहा है। आंदोलन के बाद सीजेपी एक कदम आगे बड़ी है और वह स्कूलों के निरिक्षिण तक पहुंची है। इसलिए सरकार का किसी को भी सीजेपी के इस प्रस्तावित आंदोलन को हल्के में नहीं लेना चाहिए। हालांकि सरकार यह तर्क दे सकती है कि एक मांग पूरी हो चुकी है कार्रवाई की जा रही है और बाकी मुद्दों पर प्रक्रिया चल रही है। लेकिन आंदोलनकारी दूसरी कहानी सुना रहे हैं। उनका आरोप है कि सरकार ने आंदोलन समाप्त कराने के लिए आश्वासन तो दिए मगर अब उन आश्वासनों को पूरा करने में देरी हो रही है। यहीं से वादाखिलाफ सरकार का नारा राजनीतिक हथियार बन सकता है। क्योंकि विपक्ष को अगर यह मुद्दा मिल गया तो वह इसे सिर्फ सीजेपी और सरकार के बीच के विवाद के रूप में नहीं देखेगा। सवाल बड़ा बनाया जाएगा क्या सरकार आंदोलन खत्म होते ही अपने वादे भूल जाती है? क्या छात्रों को सिर्फ तब सुना जाता है जब वह हजारों की संख्या में दिल्ली की सड़कों पर उतरते हैं?

### न मुआवजा मिला, न एफआईआर हुई वापस

आंदोलन स्थगित करना और आंदोलन खत्म होना दोनों एक बात नहीं होती। आंदोलनकारी जब किसी सरकार के आश्वासन पर सड़क खाली करते हैं तो वह सिर्फ अपने घर नहीं लौटते वह सरकार के खाते में अपना भरोसा जमा कर देते हैं। अब सीजेपी का आरोप है कि सरकार उस भरोसे की कीमत चुकाने में नाकाम रही है। संगठन की मांगों में नीट पेपर लीक के बाद आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को एक करोड़ रुपये का मुआवजा देने और प्रदर्शनकारियों के खिलाफ दर्ज मुकदमों को पूरी तरह वापस लेने जैसी मांगें शामिल हैं। सीजेपी का कहना है कि एक महीने बीत जाने के बाद भी इन मुद्दों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई। यही वजह है कि संगठन ने अपनी कार्यसमिति की ऑनलाइन बैठक में आंदोलन की वापसी पर चर्चा की और 5 सितम्बर से फिर सड़क पर उतरने का ऐलान कर दिया।

### ज्यादा विस्फोटक हो सकता है प्रस्तावित आंदोलन

यही वह सवाल है जो इस बार के आंदोलन को पिछले आंदोलन से अलग और ज्यादा विस्फोटक बना सकता है। पहली बार लोग न्याय और कार्रवाई की मांग लेकर सड़क पर उतरे थे लेकिन इस बार का ममाल दूसरा बन रहा है। सीजेपी के हाथ में एक नया हथियार है कि हमने भरोसा किया सरकार ने वादा किया और फिर वादा पूरा नहीं हुआ। राजनीति में नाराजगी को संभालना मुश्किल होता है लेकिन टूटे हुए भरोसे की राजनीति उससे भी ज्यादा खतरनाक होती है। क्योंकि गुस्सा कई बार बातचीत से शांत हो जाता है लेकिन विश्वासघात का एहसास आंदोलन को और गहरा कर देता है।

> पहले आंदोलन ने लिया था मंत्री का इस्तीफा, अबकी बार सरकार के सामने फिर वही सवाल

### इस बार आंदोलन में सिर्फ छात्र नहीं, सवाल लेकर आएंगे परिवार

5 सितम्बर का प्रस्तावित मार्च राजनीतिक रूप से और भी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है। सीजेपी के सह संयोजक सौरव दास के मुताबिक मार्च का नेतृत्व उन छात्रों के परिवार करेंगे जिन्होंने नीट से जुड़े मामलों में अपने बच्चों को खोया है और उन लोगों के परिवार भी इसमें शामिल होंगे जो पुलिस कार्रवाई के दौरान कथित बर्बरता के शिकार हुए। यानी इस बार आंदोलन की तस्वीर सिर्फ नारे लगाते छात्रों की नहीं होगी। मंच पर अगर पीड़ित परिवार आते हैं तो आंदोलन का भावनात्मक तापमान बदल जाएगा। सरकार के लिए राजनीतिक चुनौती सिर्फ भीड़ की संख्या नहीं होती। असली चुनौती तब पैदा होती है जब भीड़ के बीच ऐसी कहानियां खड़ी हो जाती हैं जिनका जवाब प्रेस कॉन्फ्रेंस से नहीं दिया जा सकता। युवा बेरोजगारी पर नारे लगा सकता है छात्र पेपर लीक पर सवाल पूछ सकता है लेकिन एक ऐसा परिवार जिसने अपना बच्चा खोया हो वह जब सरकार से जवाब मांगता है तो मामला राजनीतिक बहस से निकलकर संवेदनशील जनभावना में बदल जाता है। सीजेपी शायद इसी नैरेटिव को आंदोलन का केंद्र बनाने की तैयारी कर रहा है।

### सीजेपी की चेतावनी

सीजेपी ने साफ चेतावनी दी है कि अगर सरकार ने अपने आश्वासनों को जमीन पर नहीं उतारा तो 5 सितम्बर से स्थगित आंदोलन एक बार फिर शुरू हो जाएगा जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी। पार्टी की ओर से कहा गया है कि बार मामला सिर्फ नीट पेपर लीक का नहीं होगा सिर्फ परीक्षा व्यवस्था की नाकामी का नहीं होगा बल्कि आंदोलन का पूरा नैरेटिव सरकार की वादा खिलाफी के इर्दगिर्द खड़ा किया जा रहा है। सीजेपी का आरोप है कि आंदोलन समाप्त कराने के दौरान सरकार की तरफ से जो भरोसा दिलाया गया था उसका एक महीने बाद भी कोई ठोस परिणाम दिखाई नहीं दे रहा। ऐसे में सवाल यह है कि क्या सरकार ने आंदोलनकारियों से बातचीत समस्या का समाधान करने के लिए की थी या फिर सिर्फ सड़कों पर उमड़े गुस्से को कुछ समय के लिए शांत करने के लिए?

### विपक्ष को नैरेटिव और सोशल मीडिया को मिलेंगे वीडियो

आज की राजनीति में आंदोलन सिर्फ सड़क पर नहीं चलता। सड़क पर एक लाठी चलती है तो उसका वीडियो मिनटों में लाखों मोबाइल तक पहुंचता है। एक मां कैमरे के सामने अपने बच्चे के लिए न्याय मांगती है तो वह विलप पूरे राजनीतिक विमर्श को बदल सकती है। एक छात्र हिरासत में लिया जाता है तो हैशटैग बनता है। और फिर सरकार को सिर्फ जंतर मंतर या इंडिया गेट नहीं मोबाइल स्क्रीन पर भी जवाब देना पड़ता है। सीजेपी ने अपनी कार्यसमिति की बैठक के बाद जो संकेत दिया है उसका राजनीतिक अर्थ सीधा है हमने आंदोलन रोका था खत्म नहीं किया था। संगठन का कहना है कि उसने सरकार के आश्वासन और सद्भावना के आधार पर आंदोलन स्थगित किया था। लेकिन अगर वायदे पूरे नहीं हुए तो अब धैर्य को कमजोरी समझने की भूल न की जाए।यह भाषा आंदोलन की वापसी का सिर्फ ऐलान नहीं है बल्कि सरकार को चेतावनी भी है। सीजेपी के सामने अब अपनी विश्वसनीयता बचाने की भी चुनौती है। अगर संगठन बार बार आंदोलन की चेतावनी देकर पीछे हटता है तो उसका प्रभाव कम होगा। लेकिन अगर वह 5 सितम्बर को बड़ी ताकत के साथ दिल्ली में उतरता है तो पिछले आंदोलन की सफलता उसके लिए सबसे बड़ा प्रचार बन सकती है।

# जाति जनगणना के मुद्दे पर बवाल

## » कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आरक्षण विरोधी आंदोलन के बीच कांग्रेस ने जाति जनगणना का मुद्दा नए सिरे से छेड़ दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सरकार पर आरोप लगाया कि ये ठीक तरीके से जाति जनगणना नहीं कराना चाहती है। सामाजिक न्याय से इसका कोई लेना देना नहीं होगा। जाति जनगणना नहीं है, धोखा है, विश्वासघात है।कांग्रेस ने ये आरोप ऐसे समय लगाया है जब जनगणना के फॉर्म में एससी/एसटी का कॉलम दिया गया है, लेकिन अन्य जातियों का कॉलम नहीं दिया गया है इसी को लेकर कांग्रेस आक्रामक है।

जयराम रमेश ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, आप अगर ईमानदारी से सामाजिक न्याय पर विश्वास रखते हैं तो, जो आप कर रहे हैं, उसको रद्द करिए, जो तरीका बिहार और तेलंगाना में अपनाया गया था, उसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू करिए। विशेषज्ञों से बात करिए। सर्वदलीय बैठक बुलाइए। आरक्षण का प्रावधान जनसंख्या से जुड़ा हुआ है। अगर जाति जनगणना ठीक से नहीं होगी, तो आरक्षण की व्यवस्था मजबूती से नहीं रह पाएगी। उन्होंने कहा, जाति जनगणना सिर्फ एक सवाल पूछने तक सीमित नहीं हो सकती. इसे व्यापक, वैज्ञानिक और पारदर्शी तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि देश के सभी वर्गों की वास्तविक सामाजिक-आर्थिक स्थिति सामने आ सके।

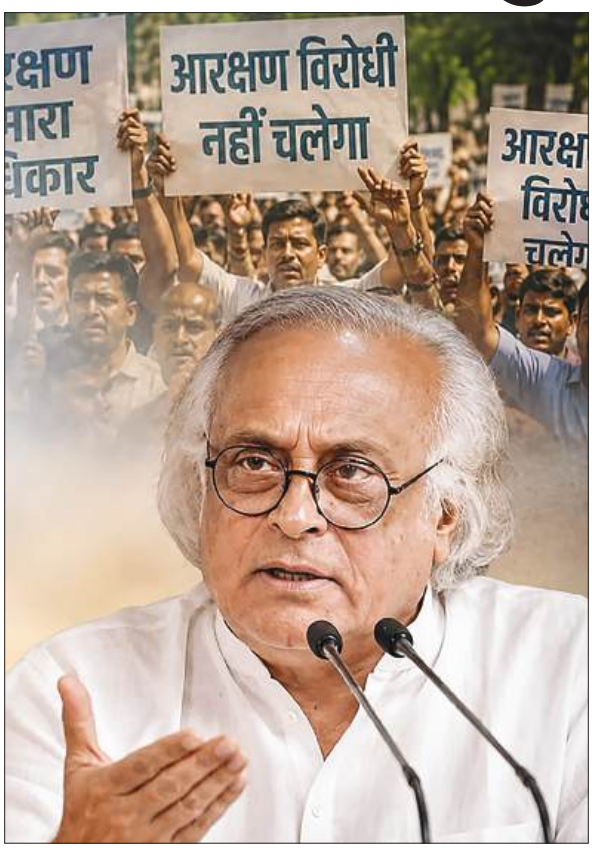


## जाति जनगणना को लेकर खरगे-राहुल ने पीएम को लिखा पत्र

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखकर वर्तमान जाति जनगणना प्रक्रिया पर चिंता जताई है। उन्होंने खुले प्रश्नों की बजाय सत्यापित जाति सूची पर आधारित प्रश्नावली की मांग की है, तर्क देते हुए कि इससे ओबीसी और वंचित समुदायों को नुकसान होगा। बिहार और तेलंगाना मॉडल को अपनाने पर जोर दिया गया है ताकि सटीक जाति गणना सुनिश्चित हो सके। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संयुक्त रूप से पत्र लिखकर जाति जनगणना की मौजूदा प्रक्रिया पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने मांग की है कि मौजूदा ओपन-एंडेड प्रश्नावली (जिसमें कोई तय विकल्प नहीं होते) की जगह एक ऐसी प्रश्नावली का इस्तेमाल किया जाए जो सत्यापित जाति सूची पर आधारित हो, जैसा कि बिहार और तेलंगाना में अपनाए गए मॉडल में किया गया था। खड़गे ने एक पोस्ट में तर्क दिया कि ओपन-एंडेड सवालों से जातियों की सटीक गिनती नहीं हो पाएगी और इससे एक ही जाति को अलग-अलग नामों और उप-जातियों के तहत दर्ज किए जाने का जोखिम रहेगा। खड़गे ने लिखा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को एक संयुक्त पत्र लिखकर जाति जनगणना की मौजूदा प्रक्रिया पर गंभीर चिंता जताई है। खुले सवालों के ज़रिए जातियों की सही गिनती करना संभव नहीं है। अगर एक ही जाति को अलग-अलग नामों और उप-जातियों के तहत दर्ज किया जाता है, तो डेटा बिखरा हुआ होगा, और इसका सबसे बड़ा नुकसान OBC, सबसे पिछड़े और वंचित समुदायों को होगा।

## चिट्ठी का नहीं मिला जवाब : जयराम रमेश

जयराम रमेश ने कहा, 2 अगस्त को कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और नेता विपक्ष राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जातिगत जनगणना के संबंध में 21 पेज का पत्र लिखा है। अब कांग्रेस पार्टी की ओर से जातिगत जनगणना के मुद्दे पर प्रधानमंत्री को लिखा गया तीसरा पत्र है। इससे पहले 16 अप्रैल 2023 को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पहला पत्र लिखा था। इसके बाद, खरगे ने 5 मई 2025 को दूसरा पत्र लिखा था, जिसमें कुछ रचनात्मक सुझाव भी दिए गए थे। लेकिन अफसोस की बात है कि इन दोनों पत्रों का अब तक कोई जवाब नहीं मिला।

# सपा विधायक सचिन यादव का निलंबन समाप्त

## » विधानसभा का बड़ा फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा ने समाजवादी पार्टी के नेता और विधायक सचिन यादव को लेकर बड़ा फैसला किया है। विधानसभा ने सपा विधायक का निलंबन समाप्त कर दिया है। एक पत्र में कहा गया- उत्तर प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया तथा कार्य संचालन नियमावली, 2023 के नियम 299(3)(- 29) के परन्तुक तथा इस सचिवालय के पत्र संख्या: 1512/वि0स0/संसदीय / 49 (सं) / 2022, दिनांक 04 अगस्त, 2026 के क्रम में आपको यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि विधान सभा के वर्ष 2026 के तृतीय सत्र के सत्रावसान हो जाने के फलस्वरूप उक्त सत्र के लिये निलंबन समाप्त हो गया है।**

बता दें राम मंदिर चढ़ावा चोरी के मामले में उचित कार्रवाई और जांच की मांग कर रहे सपा विधायकों में से एक सचिन यादव, विधानसभा में मुख्यमंत्री की तस्वीर लेकर पहुंच गए थे। विधायक द्वारा सीएम की फोटो लेकर सदन में पहुंचने का जमकर विरोध हुआ था। खुद स्पीकर ने विधायक से कई बार कहा कि वह फोटो न दिखाएं। हालांकि यादव नहीं माने और स्पीकर सतीश महाना ने उन्हें न सिर्फ मार्शल के जरिए सदन से बाहर निकालने के लिए कहा बल्कि विधानसभा की कार्यवाही से निलंबित करने का भी आदेश जारी किया। इसके विरोध में सचिन यादव ने धरना भी दिया था।

# गठबंधन से होता है बसपा को नुकसान : मायावती

## » बसपा प्रमुख का पंजाब में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने पंजाब समेत उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में पार्टी की गतिविधियों और संगठन की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा कि पंजाब में बसपा आगामी विधानसभा चुनाव किसी भी दल से गठबंधन या समझौता किए बिना अपने बलबूते लड़ेगी। चुनावी गठबंधन से बसपा को सीट और वोट प्रतिशत दोनों में नुकसान होने की आशंका रहती है।**

ऐसे में पार्टी कार्यकर्ताओं का मनोबल बनाए रखते हुए विरोधियों के साम, दाम, दंड और भेद जैसे हथकंडों का डटकर मुकाबला करने की तैयारी करनी होगी।

उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि अगले वर्ष की शुरुआत में होने वाले विधानसभा चुनाव में कर्मठ और ईमानदार लोगों को उम्मीदवार बनाया जाए, ताकि बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकें। पार्टी का उद्देश्य पंजाब की सत्ताधारी आप, कांग्रेस और भाजपा समेत अन्य दलों से दुखी जनता को बसपा की नीतियों से जोड़ना है। बसपा के माध्यम से गरीब, बेरोजगार और वंचित वर्गों को आत्मसम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर मिलना चाहिए।

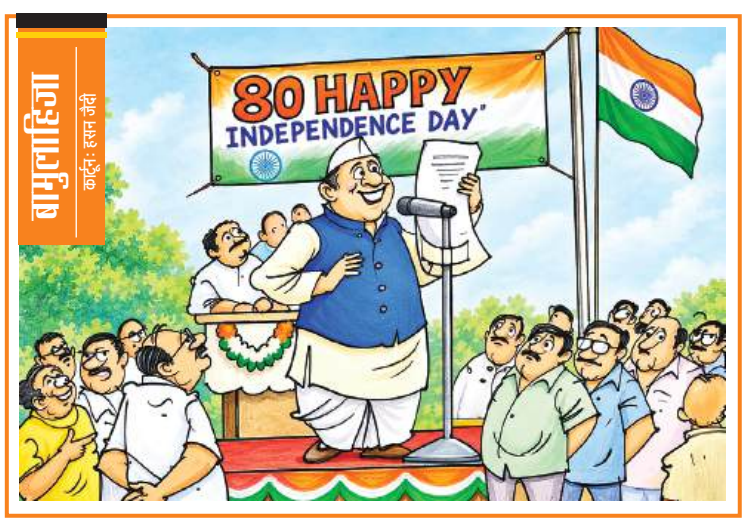


# मुझे सियासत में न घसीटें : अब्बास अंसारी

## » बोले- अखिलेश बड़े भाई, राजभर चाचा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ से विधायक अब्बास अंसारी ने सुभासपा प्रमुख ओम प्रकाश राजभर और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के बीच जारी तल्खी पर कहा, एक उनके बड़े भाई हैं और दूसरे चाचा हैं. दोनों ही अपनी-अपनी पार्टियों के अध्यक्ष हैं।

ऐसे में उन दोनों के बीच चल रही राजनीतिक बयानबाजी में उन्हें न घसीटा जाए। अब्बास अंसारी ने आगे कहा कि उनके दोनों से पारिवारिक और व्यक्तिगत संबंध अच्छे हैं, इसलिए किसी के ऊपर टिप्पणी नहीं करेंगे। अब्बास अंसारी मऊ में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे, उन्होंने आगे कहा कि राजनीति में कुछ भी स्थायी नहीं होता, आज जो आमने-सामने हैं, संभव है कल एक साथ दिखाई दें। इसके अलावा उन्होंने जेन-जी और जेन-अल्फा के मुद्दों पर अपना समर्थन जताया।

### 'मुख्तार गरीबों के मसीहा'

**ओम प्रकाश राजभर के साथ अपने संबंधों पर पूछे गए सवाल पर अब्बास अंसारी ने कहा कि अगर यह कहा जा रहा है कि उनका उनसे संबंध नहीं है तो उन्हें छोड़ दिया जाए। उन्होंने कहा कि आज राजभर भारतीय जनता पार्टी में हैं और मंत्री हैं, लेकिन एक समय उन्होंने खुद कहा था कि मुख्तार अंसारी गरीबों के मसीहा हैं और मुख्तार अंसारी जैसा कोई नहीं है।**

# भाजपा की मानसिकता अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग को उनका अधिकार देने की नहीं : राजेंद्र पाल

## » कांग्रेस का भाजपा सरकार पर हमला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

**लखनऊ । उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रभारी और पूर्व मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने लखनऊ स्थित कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में कर भाजपा और प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। गौतम ने डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक की आरक्षण विरोधी छात्रों के साथ हुई प्रेसवार्ता को लेकर सवाल उठाए।**

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की मानसिकता अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग को उनका अधिकार देने की नहीं है। उन्होंने 69 हजार शिक्षक भर्ती मामले का जिक्र करते हुए सवाल किया कि पिछड़े और दलित अभ्यर्थियों का हक मारकर सामान्य वर्ग से सीटें क्यों भरी गईं। उन्होंने जाति जनगणना को लेकर भी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि ओबीसी के लिए अलग कॉलम नहीं रखा गया है। कांग्रेस नेता ने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना पर भी आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि उन्नाव में एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रगान के समय सतीश महाना अपनी गाड़ी में बैठकर चले गए। गौतम ने इसे राष्ट्रगान का अपमान बताते हुए पुलिस और प्रदेश सरकार से उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई और एफआईआर दर्ज करने की मांग की। अयोध्या में मछली खाने के सवाल पर उन्होंने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और अनुराग ठाकुर की तस्वीर दिखाते हुए कहा कि भाजपा बताए कि उन्होंने खुद कब मछली खाई। मौके पर डा0 सीपी राय, अंशू अवस्थी, प्रियंका गुप्ता, सचिन रावत आदि मौजूद रहे।

# नीट से पेलेट गन तक बढ़ा सियासी टकराव

## नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के निशाने पर मोदी-शाह

» कांग्रेस ने चला रणनीतिक दांव
» भाजपा पर चौतरफा वार
» अगस्त में आंदोलनों से सरकार घबराई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अगस्त का महीना राजनीति रस्साकसी के बीच बीता। इस दौरान संसद का मानसून सत्र भी हुआ पर उसमें उतना काम नहीं हुआ जितना होना चाहिए था। सबसे ज्यादा चर्चा जंतरमंतर पर सीजेपी का प्रदर्शन, अयोध्या में चंदा चोरी का रहा। पर राहुल का पीएम निवास पर प्रदर्शन व सपा का अयोध्या में हल्ला बोल जैसे प्रदर्शनों ने सत्ता में बैठी बीजेपी की चूलें हिला दी है। सबसे ज्यादा मोदी सरकार को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आरोपों के निशाने पर रहना पड़ा।

अब भी ऐसा लग रहा है यूपी के विस चुनाव-27 ही नहीं लोस-29 के चुनाव तक कांग्रेस व उसके नेताओं का तेवर ऐसे ही रहेगा। कांग्रेस के इस तेवर से भाजपा की नींद उड़ी हुई। तभी रात के 12 बजे पीएम मोदी को सोशल मीडिया अकाउंट पर आकर जेनजी से गुहार लगानी पड़ रही है। उधर नीट पेपर लीक, जंतर-मंतर पर छात्र साहिल को पैलेट गन लगने का मामला और वंदे मातरम से जुड़े विवाद को लेकर कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने हैं। नीट पेपर लीक और छात्रों के प्रदर्शन से लेकर वंदे मातरम विवाद और पेलेट गन से घायल छात्र साहिल लोचब को न्याय दिलाने तक कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी लगातार केंद्र सरकार पर हमलावर हैं। राहुल गांधी साहिल की शिकायत पर एफआईआद दर्ज कराने की मांग को लेकर संसद मार्ग थाने के बाहर धरने पर बैठे। करीब सात घंटे चले इस विरोध के बाद दिल्ली पुलिस ने साहिल की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआई दर्ज कर ली गई। राहुल गांधी का आरोप है कि 20 जुलाई को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान साहिल को पेलेट गन के छर्रे लगे, जिससे उसकी आंख की रोशनी प्रभावित हुई। राहुल का कहना है कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर इस तरह की कार्रवाई गंभीर मामला है और इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एफआईआर दर्ज होना न्याय की दिशा में पहला कदम है।

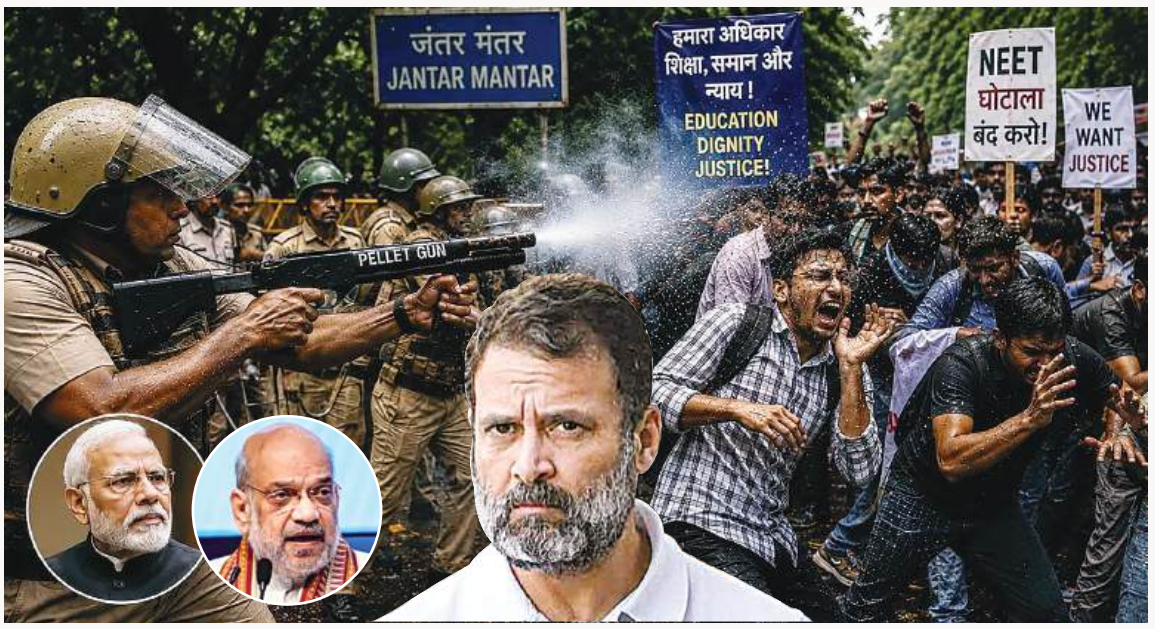


### राहुल बोले- न्याय की दिशा में पहला कदम

एफआईआर दर्ज होने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि यह न्याय की दिशा में पहला कदम है। उन्होंने पैलेट के छर्रे दिखाते हुए पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाया और पूछा कि अगर पुलिस ने पैलेट गन नहीं चलाई तो फिर साहिल को ये छर्रे कैसे लगे। राहुल ने यह भी आरोप लगाया कि मामले में ऊपर से न्याय की प्रक्रिया को रोकने की कोशिश की जा रही थी। उनका कहना है कि साहिल जैसे छात्रों को न्याय मिलना चाहिए और इस घटना के जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

### झारखंड पर चुप, चर्चा से क्यों भागे नेता प्रतिपक्ष : भाजपा

झारखंड में अभ्यर्थियों के प्रदर्शन को लेकर भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या राहुल गांधी ने झारखंड सरकार से अपना समर्थन वापस लिया? अगर नहीं तो क्या यह राहुल गांधी की चयनात्मक राजनीति नहीं है? स्मृति ईरानी ने पंजाब और केरल में भी इसी तरह इस्तीफे की मांग किए जाने पर सवाल उठाया। उन्होंने राहुल गांधी के अमेठी से सांसद रहने के दौरान स्कूलों की स्थिति का भी जिक्र किया। स्मृति ईरानी ने कहा कि जब देश के गृह मंत्री ने सार्वजनिक रूप से चर्चा के लिए तैयार होने की बात कही तो क्या कांग्रेस नेता राहुल गांधी चर्चा के लिए आगे आए? उन्होंने सवाल किया कि तो कौन भागा? पंजाब और केरल में इसी तरह इस्तीफे की मांग क्यों नहीं हुई? स्मृति ईरानी ने जंतर-मंतर पर हुए प्रदर्शन का जिक्र करते हुए पूछा कि वहां प्रदर्शन करने वाले लोग पंजाब, केरल या झारखंड गए थे? क्या

जंतर-मंतर के प्रदर्शन के बाद पंजाब, झारखंड और केरल में भी इसी तरह इस्तीफे की मांग की गई? उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर पर विपक्ष बंटा हुआ दिखाई दिया। अगर वहां केवल छात्रों का जमावड़ा होता तो राहुल गांधी निश्चित तौर पर वहां जाते। लेकिन वह वहां क्यों नहीं गए? स्मृति ईरानी ने दावा किया कि वहां अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया मौजूद थे और राहुल गांधी आम आदमी पार्टी से दूरी बनाना चाहते थे, इसलिए वह प्रदर्शन में शामिल नहीं हुए।

### पेपर लीक से शुरू हुई छात्रों की आवाज उठाने की मुहिम

नीट परीक्षा में कथित पेपर लीक और अनियमितताओं को लेकर राहुल गांधी पहले भी सरकार पर निशाना साधते रहे हैं। उनका कहना रहा है कि परीक्षा व्यवस्था में गड़बड़ी का सबसे बड़ा असर देश के छात्रों और युवाओं के भविष्य पर पड़ता है। उन्होंने छात्रों के मुद्दे को संसद में उठाने और उनके साथ खड़े रहने की बात कही थी। हालिया छात्र आंदोलन और जंतर-मंतर की घटनाओं ने इस मुद्दे को फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में ला दिया है। राहुल गांधी का कहना है कि छात्रों की आवाज दबाने के बजाय उनकी शिकायतों पर कार्रवाई होनी चाहिए। इसी कड़ी में उन्होंने साहिल के मामले में पुलिस से एफआईआर दर्ज करने की मांग उठाई।

### पेलेट गन मामले में थाने के बाहर धरने पर बैठे राहुल

राहुल गांधी साहिल और कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेताओं के साथ संसद मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे। उनका आरोप था कि साहिल की शिकायत पर एफआईआर दर्ज करने में पुलिस टालमटोल कर रही है। पहले उन्होंने डीसीपी से मुलाकात की और मांग रखी, लेकिन बातचीत से समाधान नहीं निकलने के बाद वह थाने के बाहर धरने पर बैठ गए। राहुल ने साफ कहा कि जब तक एफआईआरदर्ज नहीं होगी, वह वहां से नहीं हटेंगे। उनके साथ प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस के कई नेता भी मौजूद रहे। आखिरकार पुलिस ने साहिल की शिकायत पर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली।

### वंदे मातरम विवाद पर भी सरकार-कांग्रेस आमने-सामने

इसी बीच वंदे मातरम को लेकर चल रहे राजनीतिक विवाद ने भी कांग्रेस और भाजपा के बीच टकराव बढ़ा दिया है। भाजपा नेताओं का आरोप है कि कांग्रेस और राहुल गांधी इस मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए नए-नए विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। भाजपा ने राहुल गांधी के थाने के बाहर धरने को राजनीतिक ड्रामा और मीडिया का ध्यान खींचने की कोशिश बताया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राहुल पर निशाना साधते हुए कहा कि जब मामले की जांच और न्यायिक प्रक्रिया चल रही है, तब कैमरों के सामने थाने के बाहर बैठने का क्या मतलब है। उन्होंने राहुल गांधी पर वंदे मातरम विवाद से ध्यान भटकाने की कोशिश का आरोप लगाया।

### बीजेपी बोली-जांच चल रही तो धरना क्यों दिया

भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने भी राहुल गांधी के प्रदर्शन पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जंतर-मंतर की घटना को लेकर जांच की प्रक्रिया पहले से चल रही है। उन्होंने राहुल से पूछा कि क्या उन्होंने प्रदर्शन के दौरान सुरक्षाबलों और पुलिस पर कथित हमलों की भी जांच की मांग की थी। भाजपा का कहना है कि राहुल गांधी हर मुद्दे को राजनीतिक रंग देकर सरकार को घेरने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस का आरोप है कि सरकार छात्रों की आवाज और उनके अधिकारों को दबा रही है। पेपर लीक से शुरू हुआ छात्र मुद्दा अब पेलेट गन मामले तक पहुंच गया है। इसके साथ वंदे मातरम विवाद ने भी राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया है। एक तरफ राहुल गांधी लगातार छात्रों और प्रदर्शनकारियों के मुद्दे पर सरकार को घेर रहे हैं, वहीं भाजपा उनके विरोध प्रदर्शनों को राजनीतिक फायदे और मीडिया की सुर्खियों के लिए किया गया कदम बता रही है।

### खरगे ने आत्मनिर्भर भारत पर उठाए सवाल

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने 22 अगस्त को चीनी की बढ़ती कीमतों और चीनी के अपर्याप्त स्टॉक को लेकर भारत सरकार की आलोचना की और सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत' पहल की विश्वसनीयता पर सवाल उठाए। एक पोस्ट में, खड़गे ने त्योहारों के मौसम से पहले की स्थिति को लेकर मोदी सरकार से तीन सवाल पूछे। उन्होंने लिखा कि त्योहारों से पहले, मोदी सरकार की नीतियों की कड़वाहट चीनी की मिठास में घुल गई है। उन्होंने पूछा कि भारत, जो दुनिया में चीनी का एक बड़ा उत्पादक और निर्यातक देश है, वहां चीनी का स्टॉक पिछले नौ सालों में सबसे निचले स्तर पर क्यों है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि चीनी के निर्यात पर रोक और दस लाख टन चीनी के बिना ड्यूटी वाले आयात का फैसला कैसे

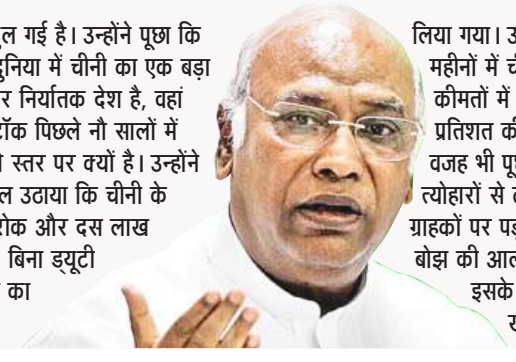

लिया गया। उन्होंने तीन महीनों में चीनी की कीमतों में लगभग 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी की वजह भी पूछी और त्योहारों से ठीक पहले ग्राहकों पर पड़ने वाले इस बोझ की आलोचना की। इसके अलावा, खरगे ने सवाल किया कि देश में चीनी की कमी और आयात के बावजूद, इथेनॉल उत्पादन (जिसका इस्तेमाल ई-20 पेट्रोल ब्लेंडिंग में होता है) के लिए गन्ना और अनाज के इस्तेमाल को बढ़ावा देने वाली नीति की समीक्षा क्यों नहीं की गई है। खरगे ने आगे कहा कि पहले चीनी का उत्पादन घटा, फिर स्टॉक 9 सालों में सबसे निचले स्तर पर आ गया, अब हम विदेश से चीनी मंगा रहे हैं और दूसरी तरफ, हम पेट्रोल में मिलाने के लिए गन्ने का इस्तेमाल इथेनॉल बनाने में कर रहे हैं! इसके जवाब में, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने 21 अगस्त को कहा कि चीनी की खुदरा कीमतों में बढ़ोतरी - जो 20 जुलाई को 48.18 रुपये प्रति किलोग्राम से बढ़कर 20 अगस्त को 55.70 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई - इथेनॉल के लिए चीनी के इस्तेमाल (डायवर्जन) के कारण नहीं, बल्कि कई अन्य कारणों से हुई थी।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

## जिद... सच की

# पशुधन की खुशहाली पर गंभीरता जरूरी

*पशुधन की खुशहाली के लिए सरकारें बड़ी-बड़ी बाते करती है। खास तौर गोवंश की। पर पूरे देश इन पशुओ के हालात किसी से छिपे नहीं हैं। कहीं गौशालाओं में ये गोवंश मर रहे हैं तो कही ये सड़कों पर छुटट्ा घूम रहे खुद भी चोटिल हो रहे और राहगीरों को घायल ही नहीं कर रहे उनकी जान ले रहे हैं। सरकारों को बातों में नहीं सच में उनका समाधान करना होगा। पशुपालन ऐतिहासिक रूप से भारत में कृषि का एक अभिन्न अंग रहा है और वर्तमान में भी प्रासंगिक है क्योंकि ग्रामीण समाज का एक बड़ा वर्ग सक्रिय रूप से कृषि कार्य में संलग्न होने के साथ इस पर निर्भर है। यह क्षेत्र देश की कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जो खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण आजीविका और सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह क्षेत्र दुनिया की पशुधन आबादी के लगभग 20 फीसदी और मानव आबादी के 17.5 फीसदी का भरण-पोषण करता है, जो दुनिया के केवल 2.3 फीसदी भूमि क्षेत्र में है। हालांकि, इसके पैमाने और महत्व के बावजूद, भारत लगातार चारे की कमी का सामना कर रहा है।*

*हरे चारे के लिए 35.6 फीसदी, सूखी फसल अवशेषों के लिए 10.5 फीसदी और केंद्रित फीड के लिए 44 फीसदी का अनुमान है। यह कमी पशुधन उत्पादकता को गंभीर रूप से प्रभावित करती है, जिससे दूध और मांस उत्पादन में कमी आती है और लाखों ग्रामीण आजीविका को खतरा होता है। गौर करने वाली बात यह है कि संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 2026 को चारागाह और पशुचारक वर्ष घोषित किया गया है। इससे जाहिर है कि वैश्विक स्तर पर चारागाह भूमियां संकटग्रस्त हैं और इन पर ध्यान देने की जरूरत है। इनका क्षेत्रफल भूमि उपयोग में बदलाव के कारण घटता जा रहा है। अति दोहन और खरपतवारों के कारण इनकी उपजाऊ क्षमता लगातार घटती जा रही है। दुनिया में चारागाह, सवाना घास के मैदान, झाड़ीदार जंगल, रेगिस्तान, पर्वतीय चरागाह, खुले वन और कृषि वानिकी क्षेत्र इसी श्रेणी में शामिल हैं। भारतवर्ष में चारागाह भूमियों का क्षेत्रफल 1210 लाख हेक्टेयर है, जिसमें से 10 लाख हेक्टेयर अच्छी स्थिति में नहीं है और पूर्ण उपयोगिता के स्तर की भूमिका निभाने में असमर्थ है, जिसके चलते पशु चारक समुदाय हाशिए पर आते जा रहे हैं और सरकारी नीतियों में भी उनके हितों की ओर उपयुक्त ध्यान नहीं दिया जा रहा है। भारत में लगभग 13 मिलियन पशुपालक हैं, जो गुज्जर, बकरवाल, रेबारी, रायका, कुरुबा और मालधारी सहित 46 समूहों में विभाजित हैं।*

**“ पशुपालन ऐतिहासिक रूप से भारत में कृषि का एक अभिन्न अंग रहा है और वर्तमान में भी प्रासंगिक है क्योंकि ग्रामीण समाज का एक बड़ा वर्ग सक्रिय रूप से कृषि कार्य में संलग्न होने के साथ इस पर निर्भर है। यह क्षेत्र देश की कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जो खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण आजीविका और सकल घरेलू उत्पाद में महत्वपूर्ण योगदान देता है।**

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

# युवाओं को लुभाने की होड़ में जुटे सियासी दल

केवल तिवारी

इस वक्त देश की सियासी पार्टियों की नजरें आगामी सात राज्यों के चुनावों पर हैं। अगले साल 2027 में सात राज्यों में महत्वपूर्ण चुनाव होने हैं। असल में राजनीतिक परिदृश्य में जेन-जी वर्ग चर्चाओं में है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री को इस्तीफे के लिए मजबूर करने के बाद इन्होंने झारखंड में तो अपनी ताकत दिखाई ही, सोशल मीडिया के ज्यादातर प्लेटफॉर्म पर इन्हीं का दबदबा है। एक अनुमान के मुताबिक आगामी चुनावों में 50 से 55 फीसदी के बीच मतदाता युवाशक्ति है। ऐसे में हर सियासी दल युवाओं को आकर्षित करने में जुटा है। उन्हीं के अंदाज में उन्हीं की बात। गौरतलब है कि अगले साल पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मणिपुर और गोवा में विधानसभा चुनाव होने हैं। हर राज्य के अपने विशेष मुद्दे हैं। सत्ता पक्ष हो या फिर विपक्ष, हर कोई मुददों को घुमाने, तोड़ने-मरोड़ने में जुटा है। कहीं उपलब्धियों का गुणगान है तो कहीं खामियों का बखान।

जहां तक युवाओं के मुद्दों का सवाल है, उनमें सबसे अहम शिक्षा की अच्छी व्यवस्था और रोजगार के अवसर सबसे पहले हैं। जिस जेन-जी की बात की जा रही है उनमें से कुछ तो नये वोटर होंगे जबकि कुछ ऐसे भी हैं जो वोटर पहले से हैं और गृहस्थी की दहलीज पर कदम रख चुके हैं। यानी 18 से 29 आयुवर्ग की यह जनता आगामी चुनाव में बड़ा 'खेला' कर सकती है। अगर बात करें कुल मतदाताओं में इनकी भागीदारी की, तो यह हर राज्य में अलग-अलग है, लेकिन संख्या अच्छी खासी है। पंजाब में इस आयुवर्ग के मतदाताओं की संख्या 21-22 प्रतिशत के बीच है। अगले साल की चुनावी डगर पर बढ़ रहे दो पहाड़ी राज्यों- हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में इनकी संख्या करीब 31 से 32 फीसदी है। उत्तर प्रदेश और गोवा की तो आधी आबादी युवा है। जाहिर है युवा मतदाताओं की संख्या भी वहां बहुत ज्यादा है। गुजरात में जेन-जी वर्ग की संख्या करीब 22 फीसदी है। मणिपुर में तो 35 फीसदी से ज्यादा वोटर युवा हैं। इन राज्यों में चुनावी रणनीतिकार युवाओं पर विशेष नजर रख रहे हैं।

कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि हालिया आंदोलन में उभरे युवाओं के नये वर्ग में जात-पात से इतर, सीधे मुद्दों को उठाने का माद्दा है। अगर इस विचार में सत्यता है तो ज्यादातर सियासतदानों का गणित बिगड़ सकता है। लेकिन इस विचार के उलट यह भी कहा जा रहा है कि आरक्षण का मुद्दा

भले यह वर्ग नहीं उठा रहा हो, लेकिन उससे छेड़खानी या उसके खिलाफ बोलना भी किसी दल को भारी पड़ सकता है। ऐसे में पूर्व के मुद्दों के साथ ही इस वक्त राजनीतिक दलों की पूरी कोशिश युवा वर्ग को आकर्षित करने की है। दिल्ली के जंतर-मंतर पर हाल के प्रदर्शन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जिस तरह से उस वर्ग के हिसाब से ही उनसे मुखातिब हुए यानी इंस्टाग्राम एवं अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो डालकर, उसे इसी संदर्भ में जोड़कर देखा जा रहा है। कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष लगातार युवाओं से संवाद कर रहे हैं। उन्होंने उत्तराखंड के देहरादून और उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में राहुल गांधी की 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में सीधी बातचीत तो की ही, साथ ही ऑनलाइन 'मुझसे कुछ भी पूछो' अभियान भी चलाया। इसके साथ ही जेन-जी को लेकर प्रमुख राजनीतिक दलों के नेताओं ने या तो बयान जारी किया है या कार्यक्रम चलाया है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने तो संवाद कार्यक्रम भी चलाया। अगर बात करें मुद्दों को सीधे जोड़ने की तो किसान आंदोलन से लेकर आरक्षण आंदोलन तक हर जगह युवाओं की भागीदारी ठीक-ठाक रही। पेपर लीक मामले को तो युवाओं ने सीधे अपने हाथ में ले लिया। श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में हेराफेरी पर अभी युवाओं को सीधे नहीं जोड़ा जा सका है, लेकिन इसके लिए भरपूर कोशिश की जा रही है। रोजगार युवाओं का सबसे बड़ा मुद्दा है। इस मुद्दे पर ही विपक्ष ने अग्निवीर मामले को छोड़ा नहीं है। भाजपा नीत एनडीए का दावा है कि इस योजना से युवाओं को रोजगार मिल रहा। चार वर्ष फौज की नौकरी के बाद उन्हें अर्धसैनिक बलों समेत कई राज्य सरकारों में प्राथमिकता से नौकरी मिल रही है। कांग्रेस समेत अनेक विपक्षी दल वादा कर रहे हैं कि वे सत्ता में आने पर अग्निवीर योजना को समाप्त करेंगे।

उधर, गोवा में बेशक कई स्थानीय मुद्दे हावी हैं, लेकिन यहां युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने को हर दल मुहिम चला रहा है। मणिपुर में दो समुदायों के बीच लगातार चले हिंसक संघर्ष के बीच सियासी दल युवाओं को मुख्य धारा में लौटकर काम करने का आग्रह कर रहे हैं। युवा शक्ति किसी भी देश की ताकत होती है। बदले माहौल में इस ताकत को अपनी ओर खींचने में फिलहाल राज्य स्तर पर जुटे सियासी दलों का दांव कितना सटीक बैठता है यह तो आने वाला वक्त बताएगा।

# बांग्लादेश से बेहतर संबंधों की अनिवार्यता

ज्योति मल्होत्रा

बांग्लादेश के नए राष्ट्रपति मिर्जा फर्ख-उल-इस्लाम आलमगीर, जो कभी वामपंथी विचारधारा की ओर झुकाव रखते थे, मार्च 1971 में 23 साल के थे और उस वक्त उत्तरी पूर्वी पाकिस्तान के ठाकुरगांव में अपने घर थे, जब उन्होंने सुना कि पाकिस्तानी सेना के अफसरों ने देश में 'ऑपरेशन सर्चलाइट' शुरू कर दिया है और निहत्थे बांग्लादेशी राष्ट्रवादियों, बुद्धिजीवियों व नेताओं का नरसंहार कर रहे हैं। दो दिन बाद, 27 मार्च को, आलमगीर व उनके दोस्तों ने रेडियो पर मेजर जिया-उर-रहमान को सुना जो पाकिस्तानी सेना में अधिकारी थे और चटगांव (तब चिट्टागोंग) में गुप्त जगह से शेख मुजीबुर्रहमान की ओर से आजाद बांग्लादेश बनाने की अपील कर रहे थे- यह संदेश बीबीसी व रेडियो ऑस्ट्रेलिया ने प्रसारित किया था।

मेजर जिया ने अपना भाषण खत्म करते कहा, 'जॉय बांग्ला'! यह नारा पहली बार उन्होंने दिया जो आने वाले हफ्तों व महीनों में आजादी का प्रतीक घोष बन गया- जहां इंदिरा गांधी और जॉर्ज हैरिसन जैसे राजनेताओं ने इसे पसंद किया वहीं याह्या खान और हेनरी किसिंजर ने नापसंद किया- इसने पूरे देश को भारत के साथ मिलकर 'मुक्ति वाहिनी' बनाने के लिए एकजुट किया, आगे चलकर साल के अंत तक भारत-पाकिस्तान युद्ध हुआ और बांग्लादेश आजाद हुआ। अप्रैल, 1971 में ठाकुरगांव में हालात बिगड़ने लगे थे। हालांकि, सीमा पार महज 55 किमी दूर बिहार के किशनगंज जिले में भी, ठाकुरगंज नामक एक जुड़वां शहर है- आलमगीर और उनका परिवार शरणार्थियों के सैलाब के साथ नागर नदी पार कर भारत के पश्चिम दिनाजपुर जिले में आ गया। वहां, इस्लामपुर में, साइकिल रिपेयर करने वाले दिलीप ने परिवार को एक कमरे में सोने की जगह दी। ज्योति बसु के पश्चिम बंगाल और कर्पूरी ठाकुर के बिहार ने शरणार्थियों को कपड़े दिए, यूथ कैंपों में पुरुषों को 'ट्रेनिंग' दी। कुछ हफ्ते बाद, इंदिरा गांधी सरकार भी इस अभियान में खुलकर शामिल हुई।

अन्य लोगों से साथ आलमगीर को देहरादून में गहन 'प्रशिक्षण' दिया गया। 55 साल से ज्यादा वक्त बाद, अगर ढाका के कुलीनों की मानें तो बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वरिष्ठ नेता और वर्तमान में राष्ट्रपति आलमगीर ने प्रधानमंत्री तारिक रहमान को, जो उन्हीं मेजर जिया के बेटे हैं जिनके 'जॉय बांग्ला' नारे ने बंगालियों में जोश भर दिया था और इसी नारे पर कई चीजों के नाम पड़े, जिनमें सीमा पर बंगाल-बिहार-त्रिपुरा-असम सीमावर्ती इलाकों में बने सैकड़ों शरणार्थी कैंपों की वजह से भारत में फैला संक्रामक बुखार भी शामिल था -उनको सलाह दी है कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी से मिलने दिल्ली जाना चाहिए, भले ही शेख हसीना कुछ भी कहती रहें। माना जाता है कि आलमगीर को एतराज है कि एक महिला, शेख हसीना, भले ही वे बंगबंधु की बेटी हैं और भारत के साथ उनके बहुत करीबी रिश्ते हैं, यह चीज भारत-बांग्लादेश रिश्ते को बंधक नहीं बना सकती। यह भी कि 1971 की आजादी की लड़ाई ने न केवल दोनों देशों के नेताओं के बीच बल्कि लोगों में भी गर्भनाल जैसा रिश्ता स्थापित किया था। फिलहाल, तारिक का 23-25 अगस्त का प्रस्तावित दौरा टाल दिया गया है, क्योंकि दोनों पक्ष बारीकियों पर विचार करने में लगे हैं। लेकिन बीते हफ्ते बांग्लादेश द्वारा रुख कड़ा करने व तारिक के भारत दौरे को हसीना के प्रत्यर्पण की शर्त से जोड़ने के बाद, प्रधानमंत्री मोदी के सुलह वाले संदेश का महत्व बांग्लादेश नकार नहीं कर सकता।

प्रधानमंत्री के लिए यह पहल भी जरूरी थी- तारिक को भेजे संदेश में उन्होंने कहा 'आप आइए, हम आपका 'सम्मानजनक स्वागत' करेंगे।' उन्हें पता है कि शेख हसीना की 5 अगस्त की प्रेस वार्ता से तारिक नाराज हैं। मोदी को जल्द ही समझ आ गया कि स्थिति को सिर्फ वही संभाल सकते हैं। बंगबंधु की बेटी और एक अति विशिष्ट हस्ती, जिन्हें अभी भी लगता है उन्होंने कुछ गलत नहीं किया, बेशक उनके पिता ने भारत को पाकिस्तान को दोफाड़ करने में मदद की थी, पर इससे रिश्तों को बंधक बनाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। दुनिया बदल चुकी है। बांग्लादेश फिर अनिश्चितता के भंवर में है, जहां चीन और पाकिस्तान जैसी शार्क मंडरा रही हैं। प्रधानमंत्री के तौर पर तारिक का पहला दौरा बीजिंग और कुआलालंपुर का रहा, न कि दिल्ली का। इतने दशक बाद भी, रावलपिंडी का सैन्य प्रतिष्ठान बांग्लादेशियों को डोरे डालने की कोशिश कर रहा है- ढाका में एक बार फिर से आईएसआई के जासूसों का जमावड़ा है।

निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री जानते हैं कि भारत के पूर्वी हिस्से को बचाकर रखना जरूरी है-यह न सिर्फ दक्षिण-पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार है, बल्कि भारत के आठ पूर्वोत्तर राज्यों की सुरक्षा के लिए भी अहम है; जहां भारत के पांच राज्यों की सीमाएं बांग्लादेश से लगती हैं; पिछली बार जब 2001-2006 में बीएनपी की सरकार रही थी और तारिक की मां खालिदा जिया प्रधानमंत्री थीं, तब चटगांव में हथियारों का बड़ा जखीरा ऐन वक्त पर पकड़ा गया था। यह भी अहसास है कि भारत के पड़ोस में उथल-पुथल है। मोहन भागवत और दत्तात्रेय होसबोले जैसे वरिष्ठ आरएसएस नेताओं द्वारा रिश्ते सुधारने की अपील के बावजूद पाकिस्तान के साथ रिश्ते ठंडे हैं। नेपाल के प्रधानमंत्री ने आखिर भारतीय राजदूत से मुलाकात की है, लेकिन चीन से संबंधों बारे धमकी भरे अंदाज में बातें करते रहते हैं। भूटान, श्रीलंका व मालदीव शांत हैं, लेकिन उन पर चीन का साया मंडरा रहा।

# रक्षाबंधन

## पर भाइयों का जीतना है दिल तो बनाएं

# पिस्ता कुल्फी

रक्षाबंधन का त्योहार हर किसी के लिए बेहद खास होता है। इस दिन बहनें अपनी भाईयों को खुशी-खुशी राखी बांधती हैं और उन्हें उसके बदले में रक्षा के वचन के साथ-साथ कई तोहफे मिलते हैं। इस दिन को और खास बनाने के लिए लोग अपने घरों में कई तरह के पकवान बनाते हैं। खुशियों के इस त्योहार को सेलिब्रेट करने के लिए लोग बाजार से मिठाईयां लाते हैं। बहुत से लोगों को ज्यादा मिठाईयां नहीं पसंद तो वो आइसक्रीम लाते हैं। बाजार में मिलने वाली आइसक्रीम में कई तरह के केमिकल मिले होते हैं। घर पर ही मजेदार पिस्ता कुल्फी बनाना बेहद आसान है। अगर आप घर पर पिस्ता कुल्फी तैयार करेंगे तो इसे खाकर हर कोई खुश हो जाएगा।

### सामग्री

दूध फुल क्रीम 1 लीटर
चीनी आधा कप
केसर एक छोटा चम्मच
हरी इलायची चार से पांच
बादाम 10 से 15
पिस्ता कटे हुए 3 बड़े चम्मच।

### विधि

कुल्फी बनाने के लिए सबसे पहले एक लीटर दूध को एक बर्तन में डालकर उबाल लें। इसे तब तक उबालना है, जब तक ये आधा ना हो जाए। जब ये गाढ़ा हो जाएगा तो इसका रंग बदलना शुरू हो जाएगा। जब दूध गाढ़ा हो जाए तो इसमें चीनी और केसर के धागे डालकर 4 से 5 मिनट के लिए चलाएं। दूध लगातार चलाने के बाद इसमें हरी इलायची का पाउडर डालकर गैस बंद कर दें। इसी दौरान कटे हुए पिस्ता दूध में डालें। अगर आप कुल्फी में मेवे डालना चाहते हैं तो दूध में अब कटे हुए मेवे डाल दें। इसके बाद दूध को ठंडा करके इसे कुल्फी के सांचे में डाल दें। अब सही तरह से सांचे को फ्रिज में जमने के लिए रख दें। 4 से 5 घंटे जमने देने के बाद कुल्फी को चेक करें। जब ये अच्छे से जम जाए तो इसे निकाल कर परोसें। आप चाहें तो कुल्फी के ऊपर पिस्ता रखकर उसे सजा सकते हैं।

# भैया को करना है खुश तो बनाएं गुलाब जामुन

त्योहार कोई सा भी हो, उसके आने के कई दिन पहले से ही बाजारों में रौनक दिखने लगती है। हर त्योहार से पहले महिलाएं जमकर खरीदारी करने बाजार पहुंचती हैं। अगर बात करें इस महीने के त्योहार की तो अगस्त के अंत में रक्षाबंधन का त्योहार आने वाला है। राखी के इस त्योहार पर लड़कियां अपने भाई की कलाई पर राखी बांधती हैं। ये काफी पावन त्योहार माना जाता है। ऐसे में इस दिन सभी घरों में तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं। खाने के साथ-साथ महिलाएं अपने घरवालों और खासतौर पर भाई के लिए मिठाई तैयार करती हैं। ऐसी मिठाई जिसे खाना हर किसी को पसंद आता है। इसके साथ ही इसे बनाना काफी आसान है। हम बात कर रह रहे हैं गुलाब जामुन की, इसे आप आसानी से अपने घर पर बना सकती हैं।

### सामग्री

खोया यानी मावा- 1 कप, चीनी- 4 कप, इलायची-3-4, पानी-3 कप, बेकिंग सोडा-1 चुटकी, ड्राई फ्रूट्स- जरूरत के मुताबिक, घी-2 कप।

### विधि

अगर आप घर पर गुलाब जामुन बनाना चाहती हैं तो सबसे पहले मावे को अच्छे से मैश कर लें। इस मैश किए हुए मावे में बेकिंग सोडा मिलाकर एक डो तैयार करें। इसके बाद इस डो को मुलायम करने के लिए दो बूंद घी डालें। डो तैयार करते वक्त ये ध्यान रखें कि ये ज्यादा टाइट ना हो। इसके बाद अब इस डो से अपने हिसाब से गुलाब जामुन तैयार कर लें। अब कढ़ाई में घी डालें और उसे सही से गर्म करें। एक बार घी को सही से गर्म करके गैस धीमी कर दें और गुलाब जामुन को इसमें डाल दें। जब ये तैयार हो रहे हैं, तब तक गुलाब जामुन की चाशनी तैयार करें। चाशनी तैयार करने के लिए पानी और चीनी को मिलाकर पकाएं। खूशबू के लिए इसमें इलायची पाउडर डाल दें। जब गुलाब जामुन सही से सुनहरे हो जाएं तो इसे निकालकर चाशनी में डाल दें। कुछ समय बाद गुलाब जामुन को चाशनी से निकालकर इस पर मेवे डालें और गर्मागर्म ही परोसें।

## हंसना मना है

टीचर- बेटा अगर सच्चे दिल से प्रार्थना की जाए तो वो सफल जरूर होती है।
छात्र- रहने दीजिए सर, अगर ऐसा होता तो आज आप मेरे सर नहीं, ससुर होते...

व्यक्ति नदी में डूब रहा था, व्यक्ति: बचाओ गणेश जी बचाओ, गणेश जी आये और नाचने लगे, व्यक्ति: आप नाच क्यों रहे हो? गणेश जी: तू भी तो मेरे विसर्जन में नाचता है।

पप्पू जब इतिहास का पेपर स्कूल में परीक्षा के समय देने जाता था तो जो सवाल नहीं आता था उसको पप्पू खाली छोड़ देता था... लेकिन गलत लिख के कभी इतिहास से छेड़छाड़ नहीं करता था....

पत्नी पति से बोली- सुनो, आजकल चोरियां बहुत होने लगी हैं। धोबी ने हमारे दो तौलिया चुरा लिए हैं। पति- कौन से तौलिये? पत्नी पति बोली- अरे! वही जो हम मनाली के होटल से उठाकर लाए थे।

## कहानी | बोलने वाली गुफा

एक घने जंगल में शेर रहता था। उससे जंगल के सभी जानवर थर-थर कांपते थे। वह हर रोज जंगल के जानवरों का शिकार करता और अपना पेट भरता था। एक दिन वह पूरा दिन जंगल में भटकता रहा, लेकिन उसे एक भी शिकार नहीं मिला। भूख से उसकी हालत खराब हो चुकी थी। तभी उस शेर को एक गुफा दिखी। शेर ने सोचा कि क्यों न इस गुफा में बैठकर इसके मालिक का इंतजार किया जाए और जैसे ही वो आएगा, तो उसे मारकर वहीं अपनी भूख मिटा लेगा। यह सोचते ही शेर दौड़कर उस गुफा के अंदर जाकर बैठ गया। वह गुफा एक सियार की थी, जो दोपहर में बाहर गया था। जब वह रात को अपनी गुफा में लौट रहा था, तो उसने गुफा के बाहर शेर के पंजों के निशान देखे। यह देखकर वह सतर्क हो गया। उसने जब ध्यान से निशानों को देखा, तो उसे समझ आया कि पंजे के निशान गुफा के अंदर जाने के हैं, लेकिन बाहर आने के नहीं हैं। अब उसे इस बात का विश्वास हो गया कि शेर गुफा के अंदर ही बैठा हुआ है। फिर भी इस बात की पुष्टि करने के लिए सियार ने एक तरकीब निकाली। उसने गुफा के बाहर से ही आवाज लगाई, अरी ओ गुफा! क्या बात है, आज तुमने मुझे आवाज नहीं लगाई। रोज तुम पुकारकर बुलाती हो, लेकिन आज बड़ी चुप हो। ऐसा क्या हुआ है? अंदर बैठे शेर ने सोचा, हो सकता है यह गुफा रोज आवाज लगाकर इस सियार को बुलाती हो, लेकिन आज मेरे वजह से बोल नहीं रही है। कोई बात नहीं, आज मैं ही इसे पुकारता हूं। यह सोचकर शेर ने जोर से आवाज लगाई, आ जाओ मेरे प्रिय मित्र सियार। अंदर आ जाओ। इस आवाज को सुनते ही सियार को पता चल गया कि शेर अंदर ही बैठा है। वो तेजी से अपनी जान बचाकर वहां से भाग गया।

## 7 अंतर खोजें

## जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

**मेष**
नौकरी में नए लोगों से जुड़ने का मौका मिलेगा। पुराने ग्राहकों से बिजनेस में फायदा होगा। बातचीत के दौरान कड़वे शब्दों के इस्तेमाल से बचें।

**वृषभ**
नौकरी में स्थिति मजबूत होगी। अधिकारियों की नजर आपके काम पर रहेगी। कारोबारी हैं तो नए सौदों से लाभ होगा। लव लाइफ में स्थिरता और अपनापन रहेगा।

**मिथुन**
डिजिटल मीडिया और मार्केटिंग से जुड़े लोगों को बड़ा लाभ मिल सकता है। कारोबारी हैं तो संपर्कों का विस्तार होगा। साथी के साथ वैचारिक तालमेल बेहतर होगा।

**कर्क**
कार्यस्थल पर शांति बनाए रखें, किसी की बहस में न पड़ें। व्यापारिक लेन-देन में सतर्कता जरूरी है। भावनात्मक गलतफहमी को बातचीत से सुलझाएं।

**सिंह**
आपके आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता से नए काम की शुरुआत होगी। कारोबारी हैं तो मुनाफे का दिन रहेगा। पार्टनर को अपनी व्यस्तता के बारे में समझाएं, नाराजगी दूर होगी।

**कन्या**
काम की बारीकियों पर ध्यान देने से बड़ी भूल से बचेंगे। कारोबारी हैं तो पुराने संपर्कों का लाभ उठाएं। दांपत्य जीवन में एक-दूसरे की भावना का सम्मान करें।

**तुला**
टीमवर्क में सफलता मिलेगी। व्यापार में साझेदारी से फायदा होगा, शर्तें साफ रखें। पार्टनर के साथ सुखद समय बीतेगा। आय ठीक रहेगी।

**वृश्चिक**
काम में एकाग्रता बनी रहेगी। नई जिम्मेदारी के लिए तैयार रहें। कारोबारी हैं तो निवेश सोच-समझकर करें। आपसी विश्वास और भावनात्मक जुड़ाव गहरा होगा।

**धनु**
नौकरी में तरक्की के नए रास्ते खुलेंगे। ऑनलाइन या दूरस्थ व्यापार करने वालों को विशेष लाभ मिलेगा। लव लाइफ में मिठास और भावनात्मक जुड़ाव बढ़ेगा।

**मकर**
व्यावहारिक सोच से निर्णय लें। पुराने सौदों से लगातार लाभ होता रहेगा। गंभीर विषयों पर घर में चर्चा हो सकती है। वित्तीय स्थिति संतुलित रहेगी। जोड़ों की देखभाल करें।

**कुम्भ**
नए विचारों से काम में नयापन आएगा और पहचान मिलेगी। कारोबारी हैं तो विस्तार की योजना सफल होगी। दोस्ताना व्यवहार से रिश्ते में नयापन आएगा।

**मीन**
कार्यक्षेत्र में रचनात्मकता के चलते आपकी भूमिका का विस्तार हो सकता है। कारोबारी हैं तो यह मुनाफे का दिन साबित होगा। परिवार का पूरा सहयोग मिलेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

## अरिजीत सिंह के रिटायरमेंट पर बोले शान- मैं भी काफी कंफ्यूज था

सिंगर शान ने हाल ही में अरिजीत सिंह के प्लेबैक सिंगिंग से रिटायरमेंट के फैसले पर रिएक्ट किया है। उन्होंने बताया कि एक समय पर उन्होंने भी कुछ ऐसा ही करने के बारे में सोचा था। शान ने अपने करियर को याद करते हुए बताया कि वो फिल्मों में अलग-अलग तरह के गाने गाते रहे। कोमल नाहटा से बातचीत में शान से अरिजीत सिंह के रिटायरमेंट के फैसले के बारे में पूछा गया, जिस पर उन्होंने जवाब दिया, ऐसा नहीं है कि उन्होंने गाना छोड़ दिया है। वो गा रहे हैं और मुझे लगता है कि वो प्लेबैक सिंगिंग भी खूब कर रहे हैं। ऐसी बात नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि अरिजीत ने सिंगिंग क्यों छोड़ा, तो शान ने जवाब दिया, इस सवाल का जवाब सिर्फ वही दे सकते हैं। हालांकि, उन्होंने कई गाने रिकॉर्ड किए हैं जो अभी रिलीज होने बाकी हैं। इसलिए, अगले दो सालों में आपको अरिजीत सिंह के कई गाने सुनने को मिलेंगे। उन्होंने आगे कहा, क्या पता, वो अपना मन बदल लें। पत्थर की लकीर पे थोड़ी किसी ने लिख दिया है। उन्होंने आगे बताया कि करीब 33-34 साल की उम्र में वो भी इसी तरह के कन्फ्यूजन से गुजर चुके हैं। उस वक्त वो हर तरह के गाने गा चुके थे और 2-3 बड़े अवॉर्ड भी जीत चुके थे। साथ ही, शान समाजसेवा की ओर भी काफी झुकाव रखते थे और उन्हें लगता था कि अब समाज के लिए भी कुछ करना चाहिए। सिंगर ने कहा, अपने काम की वजह से मेरे पास इसके लिए समय नहीं था। मुझे अक्सर लगता था कि मैं बस एक काम से दूसरे काम की तरफ लगातार भागता जा रहा हूं। शान ने याद करते हुए बताया कि उनके साथी सिंगर KK और सोनू निगम उन्हें अक्सर सलाह देते थे, हर तरह के गाने मत गाओ, अपना स्टैंडर्ड बनाए रखो भाई। लेकिन शान का कहना था कि अगर कोई प्यार से बुलाता है तो वो मना कैसे कर सकते हैं। उनके पिता मानस मुखर्जी भी इंडस्ट्री से जुड़े थे, इसलिए उनके पिता के साथी और उनके बच्चे भी शान से गाने के लिए कहते थे और उन्हें मना करना मुश्किल होता था।

## सनी देओल की फिल्म बंटवारा 1947 ने 10वें दिन की 1.30 करोड़ की कमाई

सनी देओल स्टारर और आमिर खान प्रोडक्शन की फिल्म बंटवारा 1947 14 अगस्त को काफी उम्मीदों के साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। हालांकि, देश के सबसे काले अध्याय बंटवारे पर आधारित यह फिल्म दर्शकों और क्रिटिक्स, दोनों को ही इम्प्रेस करने में नाकाम रही और इसे मिले-जुले से लेकर नेगेटिव रिव्यू मिले। हालांकि सनी देओल और शबाना आजमी की दमदार एक्टिंग और फिल्म के मानवीय संदेश की काफी तारीफ भी हुई लेकिन फिल्म के पुराने ढंग और ज्यादा ड्रामेटिक कहानी कहने के तरीके की आलोचना भी हुई। इसी के साथ बंटवारा 1947 फर्स्ट वीक में ही कमाई के लिए संघर्ष करती दिखी।

सनी देओल की स्टार पावर और आमिर खान के सपोर्ट के बावजूद, बंटवारा 1947 का अब तक का प्रदर्शन उम्मीदों से काफी कम रहा है, जिससे यह बॉक्स ऑफिस पर एक बड़ी निराशा साबित हुई है। बंटवारा 1947 ने भारत में अपने पहले आठ दिनों में सिर्फ 34.35 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया। इसके बाद दूसरे वीकेंड पर भी इसकी कमाई में कोई तेजी नहीं दिखी। फिल्म अपनी रिलीज के नौवें दिन यानी दूसरे शनिवार को भी संघर्ष करती नजर आई और सिर्फ़ 1.15 करोड़ रुपये ही कमा पाई

वहीं सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक बंटवारा 1947 ने रिलीज के 10वें दिन यानी दूसरे संडे को 1.30 करोड़ कमाए हैं।

इसी के साथ इस फिल्म की भारत में 10 दिनों की कुल नेट कमाई अब 36.80 करोड़ रुपये हो गई है।

बंटवारा 1947 की लागत 120 करोड़ बताई जा रही है। रिलीज के 10 दिन बाद भी ये फिल्म 40 करोड़ का आंकड़ा भी नहीं छू पाई है। अब ये पूरी तरह फ्लॉप साबित हो चुकी है और इसी के साथ ये मेकर्स के लिए बड़े घाटे का सौदा भी बन गई है।

सनी देओल और राजकुमार संतोषी 30 साल बाद फिर साथ आए हैं बंटवारा 1947 में सनी देओल, शबाना आज़मी, प्रीति जिटा, अली फजल, करण देओल, कनिका कपूर और अभिमन्यु सिंह जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

यह फिल्म असगर वजाहत के मशहूर नाटक जिस लाहौर नई वेख्या, ओ जम्या ए नई पर आधारित है। एआर रहमान के म्यूजिक और जावेद अख्तर के गीतों वाली इस बंटवारे पर आधारित फिल्म से लगभग तीन दशकों के बाद सनी देओल और राजकुमार संतोषी की मच अवेटेड वापसी हुई थी। इस जोड़ी ने पहले 1990 के दशक में घायल, दामिनी और घातक जैसी शानदार फिल्में दी थी।

## हीरोगिरी छोड़ विलेन बनेंगे अजय देवगन

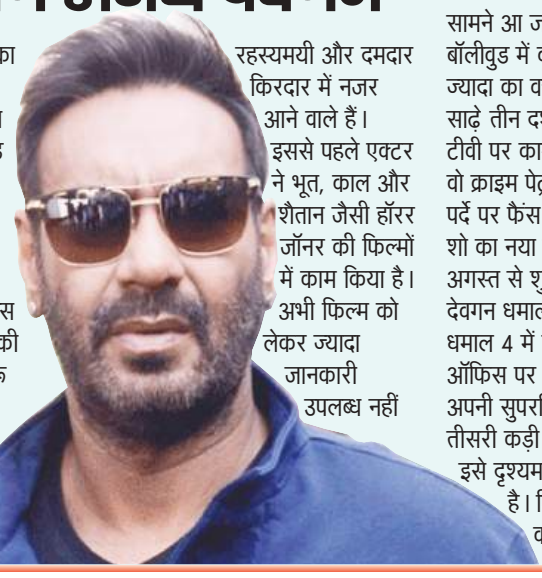

अजय देवगन इन दिनों काफी बिजी चल रहे हैं। उनके पास इन दिनों कई फिल्में हैं और इसी बीच वो छोटे पर्दे पर भी फैंस का मनोरंजन करने वाले हैं। जल्द ही वो क्राइम पेट्रोल शो को होस्ट करते हुए दिखाई देंगे। वहीं उनकी अगली फिल्म दृश्यम 3 की रिलीज डेट से भी पर्दा उठ चुका है। इसी बीच उनकी एक नई फिल्म की खबर आई है, जिसमें वो खलनायक के किरदार में नजर आएंगे।

तेलुगु123 की रिपोर्ट के मुताबिक अजय देवगन अपनी एक नई फिल्म में विलेन बनने वाले हैं। इसका डायरेक्शन रोहित जुगराज करेंगे। ये एक हॉरर ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें अजय ग्रे शेड वाले रोल में दिखाई देंगे। उनका किरदार अच्छा और बुरा दोनों तरह का होगा। बताया जा रहा है कि फिल्म की कहानी गरुड़ पुराण से प्रेरित होगी।

फिल्म की शूटिंग को लेकर भी बड़ा अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अजय की इस अपकमिंग हॉरर ड्रामा फिल्म की शूटिंग सितंबर में मुंबई में शुरू होगी। इसके बाद फिल्म को लंदन में भी शूट किया जाएगा। इसमें वो एक रहस्यमयी और दमदार किरदार में नजर आने वाले हैं। इससे पहले एक्टर ने भूत, काल और शैतान जैसी हॉरर जॉनर की फिल्मों में काम किया है। अभी फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी उपलब्ध नहीं है। उम्मीद है कि सितंबर तक फिल्म को लेकर लगभग सारी जानकारी सामने आ जाएगी। अजय देवगन को बॉलीवुड में काम करते हुए 35 साल से ज्यादा का वक्त हो चुका है। हालांकि साढ़े तीन दशक के करियर में उन्होंने टीवी पर काम नहीं किया। लेकिन, अब वो क्राइम पेट्रोल के होस्ट बनकर छोटे पर्दे पर फैंस को एंटरटेन करेंगे। इस शो का नया सीजन सोनी टीवी पर 31 अगस्त से शुरू होगा। हाल ही में अजय देवगन धमाल फ्रेंचाइजी की फिल्म धमाल 4 में नजर आए थे जो बॉक्स ऑफिस पर सफल रही थी। अब अजय अपनी सुपरहिट फ्रेंचाइजी दृश्यम की तीसरी कड़ी में दिखाई देंगे। मेकर्स ने इसे दृश्यम: द कन्क्लूजन नाम दिया है। फिल्म 2 अक्टूबर 2026 को रिलीज होगी।

अजब-गजब | महाराष्ट्र के चंद्रपुर में है भारत का अनोखा घर!

## इस घर के लोग खाते हैं तेलंगाना में रात होते ही सोने चले जाते हैं महाराष्ट्र

भारत विविधताओं का देश है। यहां भाषा, संस्कृति, खान-पान और रीति-रिवाजों में अंतर तो आम बात है लेकिन एक ऐसा घर भी है जो दो राज्यों में बंटा हुआ है। महाराष्ट्र और तेलंगाना की सीमा पर स्थित यह घर चर्चा का विषय बना हुआ है। 1969 के सीमा सर्वे के दौरान घर के बीच से राज्य की सीमा गुजर गई थी। नतीजा यह हुआ कि घर के चार कमरे महाराष्ट्र में आ गए और चार कमरे तेलंगाना में। परिवार वाले बताते हैं कि वे एक राज्य में खाना खाते हैं और दूसरे राज्य में सोने चले जाते हैं।

यह अनोखा घर महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले की सिमवर्ती जिवती तहसील के महाराजगुडा (या महाराजागुडा) गांव में स्थित है। यहां पवार परिवार रहता है। करीब 12-13 सदस्य इस घर में रहते हैं। घर के मालिक उत्तम पवार और उनके भाई चंदू पवार हैं। कुल मिलाकर घर में करीब 8 से 10 कमरे बताए जाते हैं। इनमें से चार कमरे महाराष्ट्र की सीमा में आते हैं जबकि चार कमरे (जिसमें रसोई भी शामिल है) तेलंगाना में पड़ते हैं। हॉल और कुछ बेडरूम महाराष्ट्र वाले हिस्से में हैं।

1969 में जब महाराष्ट्र और तत्कालीन आंध्र प्रदेश (बाद में तेलंगाना) के बीच सीमा विवाद सुलझाया गया और सर्वे किया गया तो कई गांव और जमीनें प्रभावित हुईं। पवार परिवार की जमीन और घर भी इस सर्वे की चपेट में आ गया। अधिकारियों ने बताया कि घर का आधा हिस्सा एक राज्य में है और आधा दूसरे में। तब से परिवार इसी तरह रह रहा है। सीमा रेखा घर के अंदर से गुजरती है। कुछ रिपोर्ट्स में दीवार पर चाक से निशान भी दिखाए गए हैं। उत्तम पवार ने मीडिया से बात करते हुए कहा था, हम 12-13 लोग यहां रहते हैं। मेरे भाई के चार कमरे तेलंगाना में हैं और मेरे चार महाराष्ट्र में। रसोई तेलंगाना में है। उन्होंने बताया कि दोनों राज्यों की ग्राम पंचायतों को टैक्स देते हैं और दोनों राज्यों की योजनाओं का लाभ भी उठाते हैं। तेलंगाना सरकार की योजनाओं से थोड़ा ज्यादा फायदा मिलता है। वाहन भी दोनों राज्यों के नंबर प्लेट वाले हैं – MH और TS।

परिवार वाले कहते हैं कि उन्हें कोई खास परेशानी नहीं होती। खाना रसोई में बनता है जो तेलंगाना में है। सोने के लिए महाराष्ट्र वाले कमरों में चले जाते हैं या उलटा भी हो सकता है। पानी, बिजली जैसी सुविधाएं दोनों तरफ से जुड़ी हो सकती हैं। स्कूल, अस्पताल या सरकारी कामकाज के लिए दोनों राज्यों के दफ्तरों से वास्ता पड़ता होगा। फिर भी परिवार संतुष्ट है क्योंकि दोहरी सुविधाएं मिल रही हैं। दोनों राज्य सीमा के कई गांवों पर दावा करते रहे हैं। करीब 14 गांवों को लेकर विवाद रहा है। ऐसे में इस घर जैसी स्थिति और भी अनोखी लगती है। परिवार ना तो किसी एक राज्य को छोड़ना चाहता है और ना ही कोई विवाद खड़ा करता है। वे शांति से दोनों जगहों के नियम मानते हुए जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

## 25 तक शादी ना होना शर्म की बात, बीच सड़क खंभे से बांधकर दालचीनी के पाउडर से नहलाकर करते हैं शर्मिंदा

अगर आपको लगता है कि सिर्फ भारत में ही देर से शादी करने वालों को ताने और हंसी-मजाक का सामना करना पड़ता है तो आप गलत हैं। डेनमार्क में भी एक अनोखी और काफी मजेदार परंपरा है। यहां अगर कोई व्यक्ति 25 साल का हो जाए और अभी तक शादीशुदा ना हो तो उसके दोस्त और परिवार वाले उसे सरेआम शर्मिंदा करते हैं। कैसे? दालचीनी के पाउडर से नहलाकर। जी हां, सही पड़ा आपने। कभी-कभी बीच सड़क खंभे या पेड़ से बांधकर यह काम किया जाता है। यह परंपरा सिनमॉन ट्रेडिशन या कैनल ट्रेडिशन के नाम से जानी जाती है। अविवाहित 25 वर्षीय युवक को सिनमॉन मैन या कैनल फ्रेंड और युवती को सिनमॉन मेडन कहा जाता है। दोस्त अचानक हमला बोल देते हैं। बाल्टी भर दालचीनी पाउडर सिर से पैर तक डाल दिया जाता है। चिपकाने के लिए पानी छिड़का जाता है या अंडे फोड़े जाते हैं। कई बार सुरक्षा चश्मा और मास्क पहनकर यह उत्सव मनाया जाता है क्योंकि पाउडर सांस में जा सकता है।।

ज्यदातर मामलों में जन्मदिन वाले व्यक्ति को कुर्सी, लैंपपोस्ट, पेड़ या खंभे से बांध दिया जाता है ताकि वह भाग ना सके। फिर दोस्त और परिवार वाले दालचीनी की बौछार कर देते हैं। कुछ जगहों पर लीफ ब्लोअर या अन्य उपकरणों का इस्तेमाल भी होता है ताकि पाउडर अच्छी तरह फैल जाए। पूरा शरीर भूरा हो जाता है, कपड़े खराब हो जाते हैं और सड़क या आंगन दालचीनी से भर जाता है। हंसी-मजाक, फोटो और सोशल मीडिया पोस्ट्स का सिलसिला चल पड़ता है। कई युवा पहले से तैयार रहते हैं। वो पुराने कपड़े पहनकर या गॉगल्स लगाकर रेडी रहते हैं। यह सिर्फ घर के अंदर नहीं बल्कि सार्वजनिक जगहों पर भी होता है। आलबॉर्ग जैसे शहरों में सड़कों पर दालचीनी की खुशबू महसूस की जा सकती है। हाल ही में कुछ इलाकों में सिनमॉन पोल यानी खास खंभा लगाया गया है ताकि लोग लैंपपोस्ट या अन्य जगहों को गंदा ना करें। इस परंपरा की जड़ें 16वीं-17वीं शताब्दी में बताई जाती हैं। उस समय मसाला व्यापारी एक जगह से दूसरी जगह घूमते रहते थे। वे शायद ही कभी एक जगह बस पाते थे इसलिए कई अविवाहित रह जाते थे। ऐसे पुरुषों को पेबर्सवेंड यानी पेपर ड्यूड या मसाला वाला कुंवारा कहा जाता था। महिलाओं को पेबरमो यानी पेपर मेडन कहा जाता था। समय के साथ मसालों का संबंध अविवाहित होने से जुड़ गया।

# गृहमंत्री जी ऐसे कैसे ड्रग्स मुक्त होगा देश

## सूरत के अंतरराज्यीय एमडी ड्रग्स नेटवर्क का भंडाफोड़

» पूर्व एयर होस्टेस समेत दो गिरफ्तार

» ड्रग्स का हब बनता गुजरात का सूरत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सूरत। एक तरफ देश के गृहमंत्री ड्रग्स व शराब के खिलाफ मुहिम छेड़ने की बात करते हैं दूसरी तरफ उन्हीं के गृहप्रदेश में अंतरराज्यीय एमडी ड्रग्स नेटवर्क पकड़े जा रहे है गुजरात के सूरत में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे नो ड्रग्स इन सूरत सिटी अभियान के तहत पुलिस ने एक बड़े अंतरराज्यीय एमडी ड्रग्स नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। सूरत क्राइम ब्रांच ने करीब एक किलो एमडी (मेफेड्रोन) ड्रग्स के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

बरामद किए गए 977 ग्राम एमडी की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 30लाख रुपए से अधिक बताई जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मानसी अब्दुल सैयद और उसके साथी सोहेल सुलेमान शेख के रूप में हुई है। दोनों मुंबई के सांताक्रूज इलाके के रहने वाले हैं। मानसी इस नेटवर्क की मुख्य मास्टरमाइंड बताई जा रही है और वह पहले मलेशिया एयरलाइंस में एयर होस्टेस के तौर पर काम कर चुकी है।

### दूसरे राज्य से आ रही है खेप: एडिशनल पुलिस कमिश्नर

करणराज सिंह वाघेला ने बताया कि क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि दूसरे राज्य से आई एक महिला बड़ौदा रेलवे स्टेशन के आसपास एमडी ड्रग्स की सप्लाई करने वाली है। सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपियों की गतिविधियों पर नजर रखनी शुरू की। मानसी और सोहेल मुंबई से किराए की कार लेकर बड़ौदा पहुंचे थे। वहां उन्होंने करीब एक किलो एमडी ड्रग्स की डिलीवरी ली और इसके बाद एक्सप्रेसवे के रास्ते सूरत होते हुए वापस मुंबई की ओर रवाना हुए। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने तकनीकी निगरानी और ह्यूमन इंटेलिजेंस की मदद से दोनों का पीछा किया और सूरत रूरल पुलिस के एसपी राजेश गढिया और एसओजी टीम के साथ मिलकर संयुक्त कार्रवाई की गई। पुलिस ने ऐना टोल नाके के पास संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार से 977 ग्राम एमडी बरामद हुई, जिसके बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।पुलिस पूछताछ में मानसी के कथित ड्रग नेटवर्क से जुड़े होने का पुराना रिकॉर्ड भी सामने आया है। मानसी के पिता एयर इंडिया में टेक्नीशियन रह चुके हैं, जबकि मानसी खुद मलेशिया एयरलाइंस में एयर होस्टेस के रूप में काम कर चुकी है। पुलिस का कहना है कि उसने करीब 8 से 10 देशों की यात्रा भी की है। जांच में सामने आया कि मानसी वर्ष 2021 से पहले मध्य प्रदेश के ड्रग नेटवर्क से जुड़ी थी।

### पहले भी कई बार हो चुकी हैं गिरफ्तारियां

पुलिस के अनुसार, वर्ष 2021 में इंदौर क्राइम ब्रांच ने उसे 100 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया था। उस मामले में कथित तौर पर वह बच्चों के डायपर के जरिए ड्रग्स की तस्करी करती थी। करीब चार साल जेल में रहने के बाद हाईकोर्ट से जमानत मिलने पर मानसी मुंबई आ गई। पुलिस का दावा है कि पिछले करीब डेढ़ साल से वह मुंबई में ड्रग्स के पैडलर्स को नशीले पदार्थों की सप्लाई कर रही थी। अब सूरत में हुई गिरफ्तारी के बाद पुलिस उसके कथित नेटवर्क की आगे की कड़ियों को खंगाल रही है। मामले में गिरफ्तार दूसरा आरोपी सोहेल सुलेमान शेख महज 20 वर्ष का है और मानसी का पड़ोसी बताया जा रहा है। मानसी के परिवार ने सोहेल के पालन-पोषण और आर्थिक मदद में भी भूमिका निभाई थी। जांच एजेंसियों के अनुसार, मानसी कथित तौर पर पुलिस चेकिंग से बचने के लिए सोहेल को कभी पति तो कभी भाई के रूप में अपने साथ रखती थी। इसका उद्देश्य पुलिस को दोनों के बीच पारिवारिक संबंध का भ्रम देना और चेकिंग के दौरान संदेह से बचना था। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि सोहेल की भूमिका केवल ड्रग्स की खेप पहुंचाने तक सीमित थी या वह नेटवर्क के अन्य हिस्सों में भी सक्रिय रूप से शामिल था।

# गुरमीत राम रहीम को एक बार फिर मिली पैरोल

» राम रहीम इसके पहले 16 बार जेल से आ चुका है बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। हरियाणा के रोहतक जेल में बंद डेरा प्रमुख राम रहीम को एक बार फिर से पैरोल मिल गई है। रेप मामले में उम्रक़ैद की सजा काट रहे राम रहीम को 21 दिन की पैरोल मंजूर हुई है। जेल से निकलकर राम रहीम सिरसा पहुंचेगा। राम रहीम इसके पहले 16 बार जेल से बाहर आ चुका है। इसके पहले 26 मई को गुरमीत राम रहीम को 30 दिन की पैरोल मिली थी। इसी साल जनवरी में उसे 40 दिन की पैरोल मिली थी, जिसके बाद वह 15 फरवरी को वापस सुनारिया जेल लौटा था। गुरमीत राम रहीम को बार-बार पैरोल मिलने को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। विपक्षी दलों और कई सामाजिक संगठनों ने पहले भी इस पर आपत्ति जताई है। वहीं, प्रशासन का कहना है कि पैरोल नियमों के तहत दी जाती है।

15 सितंबर, 2025 को भी राम रहीम को 40 दिनों की पैरोल मिली थी। गौरतलब है कि सीबीआई की विशेष अदालत ने गुरमीत राम रहीम को दो साध्वियों से दुष्कर्म के मामले में 10-10 साल यानी कुल 20 साल की सजा सुनाई थी। पैरोल के दौरान अधिकांश रिहाई के दौरान राम रहीम उत्तर प्रदेश के बागपत जिले में स्थित डेरा सच्चा सौदा के आश्रम में रहा। सिरसा में मुख्यालय वाले डेरा सच्चा सौदा संगठन के हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और अन्य क्षेत्रों सहित कई उत्तरी राज्यों में बड़ी संख्या में अनुयायी हैं। वहीं, पत्रकार रामचंद्र छत्रपति हत्याकांड में डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम को बरी किए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने राम रहीम और सीबीआई से जवाब मांगा है।

# पंत डब्ल्यूटीसी में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बने भारतीय बल्लेबाज

» ऋषभ विदेशी या तटस्थ टेस्ट मैचों में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बने विकेटकीपर बल्लेबाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलंबो। भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने सोमवार को टेस्ट रिकॉर्ड बुक में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि अपने नाम कर ली। श्रीलंका के खिलाफ कोलंबो में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए पंत ने अर्धशतकीय पारी खेली। इसके साथ ही पंत कप्तान शुभमन गिल को पीछे छोड़कर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

डब्ल्यूटीसी में पंत के अब 42 टेस्ट मैचों में 2948 रन हो गए हैं। उन्होंने शुभमन गिल को पीछे छोड़ा, जिनके नाम इतने ही मैचों में 2,917 रन दर्ज हैं। इस सूची में पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 40 टेस्ट मैचों में 2,716 रनों के साथ तीसरे स्थान पर हैं, जबकि अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा (50 मैचों में 2,675 रन) चौथे और विराट कोहली (46 मैचों में 2,617 रन) पांचवें स्थान पर हैं। वर्तमान भारतीय खिलाड़ियों में युवा यशस्वी जयसवाल 30 टेस्ट मैचों में 2,588 रनों के साथ इस सूची में उनके बाद आते हैं। पंत के लिए यह रिकॉर्ड पारी एक ही मैच में हासिल की गई दूसरी बड़ी उपलब्धि रही। इससे पहले इस पारी के दौरान उन्होंने विदेशी या तटस्थ टेस्ट मैचों में बतौर विकेटकीपर बल्लेबाज सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में दिग्गज एमएस धोनी को भी पीछे छोड़ दिया। पंत ने इस श्रेणी में 2,500 रनों का आंकड़ा पार कर लिया है और धोनी के 2,496 रनों के आंकड़े को पार कर गए हैं। पंत ने यह मुकाम लगभग 42 के शानदार औसत से हासिल किया है, जबकि धोनी का औसत 32.84 का था।

### जुरेल-पंत ने 7वें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी कर तोड़ा 11 साल पुराना रिकॉर्ड

कोलंबो। भारत और श्रीलंका के बीच कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में खेले जा रहे टेस्ट में ऋषभ पंत और ध्रुव जुरेल ने एक खास रिकॉर्ड अपने नाम किया। इन दोनों ने 11 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा और चेतेश्वर पुजारा और अमित मिश्रा की जोड़ी को पीछे छोड़ दिया। दरअसल, रिटायर्ड हर्ट होने वाले पंत सारांश जैन के आउट होने के बाद बल्लेबाजी के लिए आए। और 63 रन की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने जुरेल के साथ सातवें विकेट के लिए 112 रन की साझेदारी निभाई। भारत ने श्रीलंका में पहला टेस्ट अगस्त 1985 में खेला था। तब से अब तक 41 साल हुए हैं। इन 41 वर्षों में यह टेस्ट में सिर्फ दूसरी बार है जब सातवें या इससे नीचे के विकेट के लिए किसी भारतीय जोड़ी ने शतकीय साझेदारी की है। इससे पहले चेतेश्वर पुजारा और अमित मिश्रा ने 2015 में कोलंबो के इसी सिंहलीज मैदान पर आठवें विकेट के लिए 104 रन की साझेदारी निभाई थी।

# जैन मंदिर चोरी का 48 घंटे में खुलासा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बाजारखाला थाना क्षेत्र के मिल रोड ऐशबाग स्थित जैन मंदिर में हुई चोरी का पुलिस ने महज 48 घंटे के अंदर खुलासा किया पुलिस ने चोरी के आरोप में संजय शुक्ला को गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से करीब 15 लाख रुपये कीमत का चोरी का माल बरामद कियाबाजार खाला पुलिस के मुताबिक 20/21 अगस्त की रात चोर ने जैन मंदिर से भगवान अनंतनाथ की पीली धातु की प्रतिमा, चांदी के पंचमेरु, सिंहासन, छत्र समेत अन्य चांदी का सामान और नकदी चोरी की थी। मामले में बाजारखाला थाने में मुकदमा दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की।जांच के दौरान पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की मदद से लगातार प्रयास के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर चोरी का माल बरामद किया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी संजय शुक्ला करीब छह माह पहले इसी मंदिर में सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। नौकरी के दौरान उसे मंदिर में आने वाले चढ़ावे, भगवान की प्रतिमाओं और चांदी के सिंहासन-छत्र आदि की पूरी जानकारी हो गई थी। बाद में नौकरी से निकाले जाने के बाद उसने मंदिर में चोरी की योजना बनाई। आरोपी ने कथित तौर पर ताला खोलने का तरीका सीखने के लिए यूट्यूब की मदद ली। घटना वाली रात वह पेट्रोल, सिरिंज और प्लास लेकर मंदिर पहुंचा और ताले में पेट्रोल डालकर माचिस से आग लगाने के बाद ताला खोलने का प्रयास किया। इसके बाद वह मंदिर से कीमती सामान चोरी कर फरार हो गया। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी के खिलाफ पहले भी मंदिर में चोरी और अन्य चोरी की घटनाओं को लेकर कार्रवाई हो चुकी है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई शुरू की बाजार खाला निरीक्षक सुधीर अवस्थी,विजय कुमार,आशुतोष मौर्या अखिलेश सिंह ब्रजेश यादव हेड कांस्टेबल वीर सिंह राम सिंह शैलेंद्र यादव घटना का खुलासा करने में सभी पुलिसकर्मियों की रही अहम भूमिका।

» पूर्व सिक्योरिटी गार्ड गिरफ्तार करीब 15 लाख रुपये का चोरी का माल बरामद

## तरुण तेजपाल को सुप्रीम कोर्ट से झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। रेप केस में दोषी तहलका मैगजीन के पूर्व संपादक तरुण तेजपाल को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। उन्हें 2 सप्ताह में सरेंडर करना ही होगा। कोर्ट ने तेजपाल की सरेंडर करने से छूट की मांग अर्जी को खारिज कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने इससे मना कर दिया। 2 सप्ताह में सरेंडर कर सर्टिफिकेट जमा करने के लिए कहा। अब 22 सितंबर को मामला सुनवाई के लिए लगेगा। बता दें कि 4 अगस्त को रेप मामले में बॉम्बे हाई कोर्ट ने तेजपाल को 10 साल की सज़ा दी थी और सरेंडर के लिए 4 सप्ताह का समय दिया था। तेजपाल को 2013 में गोवा में 'तहलका' पत्रिका की तरफ से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान होटल की लिफ्ट में अपनी एक कनिष्ठ सहकर्मी से रेप का दोषी ठहराया गया।

# हम छात्रों के साथ : विजय वडेट्टीवार

» जब भी छात्र और युवा अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरेंगे हम साथ खड़े रहेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता विजय वडेट्टीवार ने कहा कि राहुल गांधी छात्र गूंज कार्यक्रम करेंगे। उन्होंने शिक्षा से जुड़े मुद्दों पर सीजेपी के 5 सितंबर के विरोध-प्रदर्शन का समर्थन सहित कई मामलों पर कहा, अभी तक कोई चर्चा नहीं हुई है। राहुल गांधी नागपुर आने के लिए सहमत हो गए हैं, लेकिन तारीख अभी तय नहीं हुई है। नागपुर में छात्र गूंज कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा और तारीख तय होने पर हम आपको सूचित करेंगे।

वडेट्टीवार ने कहा,जब भी छात्र और युवा अपने अधिकारों के लिए सड़कों पर उतरेंगे या शिक्षा व्यवस्था की समस्याओं के खिलाफ आवाज उठाएंगे, हम उनके साथ खड़े रहेंगे। छात्र और युवा देश का भविष्य हैं। उनके साथ जिस तरह से खिलवाड़ किया जा रहा है और शिक्षा व्यवस्था में जिस तरह से भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है, यह युवा पीढ़ी को बर्बाद करने वाला है। इसको लेकर जो लड़ेंगे, उसके साथ हम खड़े होंगे। आरक्षण को लेकर राजनाथ सिंह के बयान पर कांग्रेस नेता ने कहा, हम तो आरक्षण के खिलाफ नहीं हैं लेकिन आरक्षण कौन बंद करना चाहता है, राजनाथ उसे बताएं। इनकी दोहरी भूमिका को हम भी देखेंगे।

# भाजपा को छोड़ किसी को भी वोट देंगे

## नकुड़ विस में किसानों का फूटा गुस्सा: 4 किसानों ने सुनाई दर्द भरी कहानियां

क्षितिजकांत

**बेबाक बोल जनता खोल रही पोल**

**नकुड़ विस की ग्राउंड रिपोर्ट**

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

सहारनपुर/नकुड़। सहारनपुर की नकुड़ विधानसभा में गन्ना किसानों में सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश है। बेहट-नकुड़ बेल्ट के 4 अलग-अलग किसानों ने अपनी आपबीती सुनाई, जिसमें खाद संकट से लेकर टोडरपुर मिल के बकाए तक और जयंत चौधरी से मोहभंग तक का दर्द छलका।

यह उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभा सीटों में से क्रम संख्या 2 है। लोकसभा क्षेत्र यह कैराना लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत आती है। मौजूदा विधायक वर्तमान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के मुकेश चौधरी यहां से विधायक हैं, जिन्होंने 22 के विधानसभा चुनाव में कड़े मुकाबले में जीत दर्ज की थी।

### भूख अभी लगी है, खाना रात में मिल रहा है

पहले किसान ने खाद संकट पर कहा - गन्ने के लिए समय से खाद नहीं मिल रही। डीएपी के समय यूरिया मिलती है और यूरिया के समय डीएपी। हालत ऐसी है कि भूख हमें अभी लग रही है और खाना रात में मिल रहा है। उसने बताया कि डीएपी का कट्टा 1350 रुपये का कर दिया गया है और 5 किलो कम मिल रहा है। सरकार में रिश्वतखोरी चरम पर है, जो काम 500 का था वो 2000 में और जो 2000 का था वो 4000 में हो रहा है। अधिकारी एसी में बैठकर मौज काट रहे हैं, फील्ड पर कभी नहीं निकलते। जयंत चौधरी जब भाजपा में गए तो खुशी थी, लेकिन अपने मंत्रालय से उन्होंने सहारनपुर में एक भी काम नहीं कराया।

### चलकर खाद दिला दो, तन पर कुर्ता तक नहीं

तीसरे किसान ने अपनी गरीबी दिखाई - मजबूरी में गन्ने के साथ पॉपुलर की खेती करनी पड़ रही है। खाद नहीं मिलता। पत्रकार से बोला - चलकर खाद दिला दो हमें। उसने कहा - समस्याएं इतनी बढ़ गई है कि हम अपनी दाल भूल गए, चटनी-रोटी खा रहे हैं। खुशहाली खत्म हो गई है। आप देख रहे हो, मेरे शरीर पर कुर्ता तक नहीं है। इस सरकार में कोई लाभ नहीं, इसलिए सत्ता परिवर्तन चाहते हैं।

### टोडरपुर मिल ने बेटी की शादी रुकवा दी

दूसरे किसान ने टोडरपुर शुगर मिल का मुद्दा उठाया - जयंत चौधरी बड़े नेता हैं, उनसे काफी उम्मीद थी, लेकिन वो अपने वादों पर खरे नहीं उतरे। यहां टोडरपुर में जो मिल पड़ती है, वहां 2 साल से गन्ना किसानों का भुगतान बकाया है। मिल भी बंद है और पैसा भी नहीं मिला। हम गरीब लोग हैं, सोचा था गन्ने का पैसा मिलने पर बेटी की शादी कर लेंगे, लेकिन पैसा न मिलने से शादी भी नहीं हो पाई। अधिकारी फसल कहीं भी बेचने नहीं देते, सोसाइटी में बेचने का दबाव बनाते हैं। तंग आकर किसानों ने गन्ना बोना ही छोड़ दिया है। अब उत्तर प्रदेश और केंद्र दोनों में सत्ता परिवर्तन होगा तभी लाभ होगा। ट्रेड डील से भी किसान नाराज हैं।

### चौ. चरण सिंह नेता थे, जयंत नहीं, भाजपा को वोट नहीं देंगे

चौथे किसान ने सियासी ऐलान किया - हम बसपा, सपा, कांग्रेस में से किसी को भी वोट कर देंगे, लेकिन भाजपा को नहीं करेंगे। भाजपा में किसानों का कोई लाभ नहीं हुआ। चौधरी चरण सिंह हमारे बड़े नेता थे, जयंत चौधरी हमारा कोई नेता नहीं है। हमारा मन बीएसपी के साथ है और हम पीडीए गठबंधन के बारे में सोचते हैं। हम चाहते हैं कि बसपा और सपा का गठबंधन हो, क्योंकि यहां बहुजन वोटर बहुत है। अगर गठबंधन होता है तो बहुजन वोट बंटेगा नहीं।

### भौगोलिक स्थिति

यह विधानसभा क्षेत्र सहारनपुर जिला मुख्यालय से लगभग 24 से 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इसमें नकुड़ और सरसावा जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं।

### 2022 में विस के आंकड़ें

| | | |
|---|---|---|
| भाजपा | मुकेश चौधरी | 104,114 |
| सपा | डॉ. धर्म सिंह सैनी | 103,799 |
| बसपा | साहिल खान | 55,112 |
| एआईएमआईएम | रिजवाना | 3,593 |

### 2017 में विस के आंकड़ें

| | | |
|---|---|---|
| भाजपा | धर्म सिंह सैनी | 94,375 |
| कांग्रेस | इमरान मसूद | 90,318 |
| बसपा | नवीन चौधरी | 65,328 |
| नोटा | इनमे से कोई भी नहीं | 1,23 |

### चुनावी महत्व

नकुड़ सीट पर कुल मतदाताओं की संख्या करीब 3.5 लाख से अधिक है। यहां मुस्लिम और दलित वोटों के अलावा गुर्जर और सैनी समुदाय के मतदाता चुनाव में अहम भूमिका निभाते हैं।

### जातीय समीकरण

मुस्लिम मतदाता- लगभग 1.40 लाख अनुसूचित जाति- लगभग 75 हजार (जिसमें जाटव प्रमुख हैं) गुर्जर समुदाय- लगभग 40 हजार सैनी (कुशवाहा) समुदाय- लगभग 42 हजार, कश्यप - लगभग 25 हजार जाट, ब्राह्मण राजपूत प्रत्येक लगभग 10 हजार से 15 हजार वैश्य व अन्य जातिया- लगभग 8 हजार से 20हजार

### इतिहास और पौराणिक मान्यता

नकुड़ का नाम महाभारत काल के पांडव पुत्र नकुल के नाम पर रखा गया है। मुगल काल के दौरान प्रसिद्ध ग्रंथ आईन-ए-अकबरी में भी नकुड़ का उल्लेख एक परगना के रूप में मिलता है।

## टीएमसी के 20 बागी सांसदों को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

» अभिषेक की याचिका पर स्पीकर से मांगा जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 20 बागी सांसदों की अयोग्यता से जुड़े मामले पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने टीएमसी के 20 बागी सांसदों से जवाब मांगा है। यह मामला पार्टी के महासचिव और सांसद अभिषेक बनर्जी की उस याचिका से जुड़ा है, जिसमें इन सांसदों की अयोग्यता से संबंधित याचिकाओं पर फैसला लेने में हो रही देरी को चुनौती दी गई है। अभिषेक बनर्जी ने सुप्रीम कोर्ट से मांग की है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को उनके समक्ष लंबित अयोग्यता याचिकाओं पर जल्द फैसला लेने का निर्देश दिया जाए। लोकसभा अध्यक्ष और सदन के महासचिव की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। अदालत ने सॉलिसिटर जनरल से इस मामले में लोकसभा अध्यक्ष से निर्देश प्राप्त करने को कहा है।

तृणमूल कांग्रेस में बगावत के बाद 20 सांसदों ने पार्टी से अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय का दावा किया था। इन सांसदों ने लोकसभा में अलग समूह के रूप में मान्यता देने की मांग भी की थी। टीएमसी का कहना है कि ये सभी सांसद पार्टी के चुनाव चिह्न पर चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे थे। पार्टी का तर्क है कि किसी दूसरे राजनीतिक गठन में शामिल होने पर उनके खिलाफ संविधान की दसवीं अनुसूची के तहत दल-बदल विरोधी कानून लागू होता है।

## पटना में छात्रों का हल्ला बोल, मचा बवाल

» 70वीं बीपीएससी परीक्षा रद्द कराने की मांग

» वाटर कैनन के बाद लाठीचार्ज, एक छात्र का सिर फटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। 70वीं बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर मंगलवार को पटना में छात्रों का प्रदर्शन उग्र हो गया। गांधी मैदान से राजभवन की ओर मार्च कर रहे प्रदर्शनकारियों ने रास्ते में लगी पुलिस बैरिकेडिंग तोड़ दी और प्रतिबंधित क्षेत्र की ओर बढ़ने की कोशिश की। छात्रों को रोकने के लिए पुलिस ने पहले वाटर कैनन का इस्तेमाल किया, लेकिन हालात नहीं संभले तो पुलिस ने

लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को पीछे हटाया। लाठीचार्ज में एक छात्र के सिर में चोट लगने की बात सामने आई है। वाटर कैनन के इस्तेमाल के बावजूद प्रदर्शनकारी पीछे हटने को तैयार नहीं हुए। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया। इस दौरान एक छात्र के सिर में चोट लगने की जानकारी सामने आई है। प्रदर्शन स्थल पर पुलिस और छात्रों के बीच काफी देर तक तनाव की स्थिति बनी रही। डीएसपी कामाख्या नारायण सिंह ने कहा कि अगर प्रदर्शनकारी आगे बढ़ने की कोशिश करेंगे तो पुलिस उन्हें रोक देगी। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों के साथ छात्रों की बातचीत सकारात्मक रही है और उम्मीद है कि छात्र उनकी बात मानेंगे। उन्होंने कहा, हम उन्हें रोकेंगे और आगे नहीं बढ़ने देंगे। हालांकि, बातचीत सकारात्मक रही है और हमें उम्मीद है कि छात्र सहमत होंगे।

### बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़े छात्र

गांधी मैदान से मार्च शुरू करने के बाद प्रदर्शनकारी छात्र राजभवन की ओर बढ़ रहे थे। रास्ते में पुलिस ने बैरिकेडिंग कर छात्रों को प्रतिबंधित क्षेत्र में जाने से रोकने की कोशिश की। हालांकि, प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और आगे बढ़ने लगे। मौके पर पुलिस की भारी तैनाती की गई थी। पुलिस अधिकारियों ने साफ कहा कि प्रदर्शनकारियों को प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश नहीं करने दिया जाएगा।

## मौरंग लदे डंपर ने कार में मारी टक्कर, चार लोगों की मौत, बच्ची की हालत गंभीर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बाराबंकी। लखनऊ-बहराइच हाईवे पर मंगलवार सुबह तेज रफ्तार डंपर ने ऑल्टो कार में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कार सवार चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ वर्षीय बालिका गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद हाईवे पर चीख-पुकार मच गई और वाहनों की लंबी कतार लग गई।

क्षतिग्रस्त कार में फंसे लोगों को निकालने में पुलिस और स्थानीय लोगों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। मसौली के बिरौली में सुबह करीब 11 बजे हादसा उस समय हुआ, जब ऑल्टो सवार लोग सड़क किनारे रुककर किसी से पता पूछ रहे थे। इसके बाद कार को बहराइच की ओर मोड़ रहे थे। इसी दौरान लखनऊ की ओर से आ रहे मौरंग लदे डंपर ने कार में जोरदार टक्कर मार दी।

## बंगाल में टीएमसी का भाजपा पर वार

» विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश : ममता बनर्जी

» पूर्व सीएम ने सुवेंदु अधिकारी पर लगाया धमकी देने का आरोप

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को मौजूदा मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी की आलोचना की। ममता बनर्जी का आरोप है कि सीएम अधिकारी ने दिन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कथित तौर पर उन्हें धमकी दी थी। ममता बनर्जी ने पूछा कि भारतीय राजनीति में एक नया निचला स्तर! सुवेंदु अधिकारी ने सरकारी दफ्तर में बैठकर खुलेआम मुझे धमकी दी है और सार्वजनिक रूप से कहा है कि वह यह पक्का करेंगे कि मैं अपने घर से बाहर भी न निकल पाऊं।

मैं भारत के राष्ट्रपति, भारत के मुख्य न्यायाधीश और भारत के लोगों से पूछती हूं कि क्या हमारे संविधान में ऐसे भारत की कल्पना की गई थी? पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि संविधान को बनाए रखने की शपथ लेने वाले एक मौजूदा मुख्यमंत्री ने मुख्य विपक्षी पार्टी तृणमूल कांग्रेस की चेयरपर्सन की आजादी को सीमित करने की खुली धमकी दी। उन्होंने कहा कि शब्द बिल्कुल साफ थे, मैं पक्का करूंगा कि आप घर से बाहर न निकल पाएं। बनर्जी ने आगे सवाल किया कि अधिकारी के ऐसे बयान का क्या मतलब था। उन्होंने कहा कि आखिर इसका क्या मतलब है। नजरबंदी, डराना-धमकाना? राजनीतिक उत्पीड़न? एक संवैधानिक लोकतंत्र में किसे आजादी से घूमने-फिरने का हक है, यह तय करने का अधिकार

आपको किसने दिया? शायद वह मुझे उन लोगों जैसा समझ रहे हैं जो तानाशाही के आगे झुक जाते हैं। मुझे कहना होगा कि यह उनकी बहुत बड़ी गलतफहमी है। उन्होंने कहा कि यह विपक्ष की आवाज को दबाने की कोशिश के अलावा और कुछ नहीं है।

### अपनी सोच वाला भारत बनाना चाहती है भाजपा

बनर्जी ने कहा कि यह मामला ममता बनर्जी से कहीं बड़ा है। यह उस तरह के भारत के बारे में है जिसे भाजपा बनाना चाहती है-जहां राजनीतिक विरोधियों को धमकाया जाता है, असहमति के लिए सजा दी जाती है, और संवैधानिक अधिकार सत्ता में बैठे लोगों द्वारा दी जाने वाली रियायतें बन जाते हैं। भारत एक खतरनाक तानाशाही भरे दौर से गुजर रहा है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने अपनी बात खत्म करते हुए कहा और इतिहास एक अहम सबक सिखाता है- सत्ता कुछ समय के लिए डर-धमका सकती है, लेकिन अहंकार का जवाब आखिरकार जनता ही देती है। उनका अहंकार जोरदार है। उनकी हताशा उससे भी ज्यादा जोरदार है। उनके दिन गिने-चुने हैं।

महाराष्ट्र कार्यालय:- 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क, 2-डी सिटी मॉल, अंधेरी वेस्ट, मुंबई, महाराष्ट्र - 400053। विधि सलाहकार: मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा
द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक- संजय शर्मा